● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 178, पृष्ठ : 08, सीधी, गुरूवार , 07 अगस्त 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

भारतीय सेना को पाक का जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा : सीडीएस 5

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी अग्नि परीक्षा 6

कर्तव्य भवन में बनेंगी विकसित भारत की नीतियां : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्तव्य भवन के शुभारंभ के अवसर पर बुधवार को एक एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ये केवल कुछ नये भवन और सामान्य मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं, अमृत काल में इन्हीं भवनों में विकसित भारत की नीतियां बनेंगी। विकसित भारत के लिए यहीं से महत्वपूर्ण निर्णय होंगे। आने वाले दशकों में यहीं से राष्ट्र की दिशा तय होगी।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा

उन्होंने कहा, कर्तव्य भवन सिर्फ इमारत का नाम भर नहीं है। ये करोड़ों देशवासियों के सपनों को साकार करने की तपोभूमि है। कर्तव्य पथ पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा,, हम आधुनिक भारत के निर्माण से जुड़ी उपलब्धियों के साक्षी बन रहे हैं। कर्तव्य पथ, नया संसद भवन, नया रक्षा भवन, भारत मंडपम, यशोभूमि, राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, और अब कर्तव्य भवन – ये सिर्फ साधारण सुविधाएं नहीं हैं। यहां विकसित भारत की नीतियां बनेंगी, महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। आने वाले समय में राष्ट्र की दिशा यहीं से तय होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने काफी विचार-विमर्श के बाद इस भवन को कर्तव्य भवन नाम दिया। कर्तव्य पथ, कर्तव्य भवन नाम हमारे लोकतंत्र, संविधान के मूल मूल्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उन्होंने कहा, कर्तव्य शब्द का मतलब भारतीय संस्कृति में केवल दायित्व तक सीमित नहीं है। कर्तव्य हमारे देश के कर्मप्रधान दर्शन की मूलभावना है। स्व की सीमा से परे सर्वस्व की दृष्टि कर्तव्य की वास्तविक परिभाषा है। इसलिए कर्तव्य सिर्फ इमारत का नाम भर नहीं है। ये करोड़ों देशवासियों के सपनों को साकार करने की तपोभूमि है। कर्तव्य ही आरंभ है। कर्तव्य है प्रारब्ध है। करुणा और कर्मणता के स्नेहसूत्र में बना कर्म ही तो कर्तव्य है। सपनों का साथ है कर्तव्य। संकल्पों की आस है कर्तव्य। परिश्रम की पराकाष्ठा है कर्तव्य। हर जीवन में ज्योत जला दे, वहीं इच्छा शक्ति है कर्तव्य। करोड़ों देशवासियों की रक्षा का आधार है कर्तव्य। मां भारती की प्राण उर्जा का ध्वजवाहक है कर्तव्य। नागरिक देवो भव: का मंत्र है कर्तव्य। राष्ट्र के प्रति भक्तिभाव से किया हर कार्य है कर्तव्य।

आजादी के बाद दशकों तक देश की प्रशासनिक मशीनरी उन इमारतों से चलाई जाती रही है, जो ब्रिटिश शासन काल में बनी थीं। आप भी जानते हैं दशकों पहले बने इन प्रशासनिक भवनों में वर्किंग कंडीशन कितनी खराब थी। अभी वीडियो में कुछ झलक भी देखी हमने। यहां काम करने वालों के लिए न पर्याप्त जगह है, न रोशनी है, न जरूरी वेंटिलेशन है। आप कल्पना कर सकते हैं, गृह मंत्रालय जैसा महत्वपूर्ण मंत्रालय करीब सौ साल से एक ही इमारत में अपर्याप्त साधनों से चल रहा था।

प्रधानमंत्री ने कहा, काम की वजह से कर्मचारियों का यहां से वहां आना-जाना होता है। अनुमान है कि हर रोज आठ से दस हजार कर्मचारियों को एक मंत्रालय से दूसरे मंत्रालय में आना जाना पड़ता है। इसमें भी सैकड़ों गाड़ियों की आवाजाही होती है। खर्च होता है। सड़कों पर ट्रैफिक बढ़ता है। कितना समय खराब होता है। इन सबसे काम की दक्षता नहीं रहती है। इक्कीसवीं सदी के भारत को 21वीं सदी की व्यवस्थाएं चाहिए। इमारतें भी चाहिए। ऐसी इमारतें जो तकनीकी, सुरक्षा और सुविधा के लिहाज से बेहतरीन हो। जहां कर्मचारी सहज हो। फैसले तेज हो और सेवाएं सुगम हो।

मुख्यमंत्री प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों को देंगे रक्षाबंधन का शगुन

7 अगस्त को प्रत्येक लाड़ली बहना के खाते में आएंगे 1500 रूपये

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत् गुरूवार 07 अगस्त को राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ से प्रदेश की 1 करोड़ 26 लाख 89 हजार 823 लाड़ली बहनों के खातों में 1 हजार 859 करोड़ 1 लाख 32 हजार 350 रूपये की राशि का अंतरण करेंगे। इस बार लाड़ली बहनों को नियमित किश्त 1250 रूपये के अतिरिक्त रक्षाबंधन के शगुन के रूप में 250 रूपये भी दिये जाएंगे। इस प्रकार प्रत्येक लाड़ली बहना को रक्षाबंधन के पूर्व 1500 रूपये मिलेंगे।

वर्ष 2023 से प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का मूल उद्देश्य महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण, उनके स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सुधार और

पारिवारिक निर्णयों में उनकी भूमिका को मजबूत करना है। योजना की पात्र महिलाएं (21 से 59 वर्ष आयु वर्ग की विवाहित, विधवा, तलाकशुदा एवं परित्याक्ता महिलाएं) को प्रतिमाह 1250 रूपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। इस योजना में वित्त वर्ष 2025-26 में जुलाई 2025 तक 6198.88 करोड़ की राशि का व्यय किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव नरसिंहगढ़ में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के एलपीजी कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं और गैर श्रेणी के अंतर्गत पंजीकृत लाड़ली बहनों और विशेष पिछड़ी जनजाति की आर्थिक सहायता योजना अंतर्गत पंजीकृत महिलाओं को गैस रिफिल की राशि भी प्रदाय करेंगे। योजना के तहत् मुख्यमंत्री डॉ. यादव 28 लाख से अधिक बहनों को गैस सिलेण्डर रिफिलिंग के लिये 43.90 करोड़ रूपये की सहायता राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नरसिंहगढ़ में होने वाले रोड-शो में भी शामिल होंगे।

अमेरिका ने भारत पर टैरिफ बढ़ाकर 50 फीसदी किया

राष्ट्रपति ट्रंप ने कार्यकारी आदेश पर किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर अब 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत द्वारा लगातार रूस से खरीदे जा रहे तेल के जवाब में यह 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ गया है। ट्रंप ने इस टैरिफ को लगाने के एक कार्यकारी आदेश पर बुधवार को हस्ताक्षर किए। प्रारंभिक शुल्क 7 अगस्त से प्रभावी होगा, जबकि अतिरिक्त शुल्क 21 दिनों के बाद लागू होगा।

ट्रंप ने अपने प्रारंभिक टैरिफ लागू होने से 14 घंटे से भी कम समय पहले अतिरिक्त टैरिफ लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। 30 जुलाई को ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का एलान किया था, जो 7 अगस्त से प्रभावी है। वहीं, अतिरिक्त टैरिफ 21 दिन बाद यानी 27 अगस्त से प्रभावी होगा। ट्रंप पिछले दिनों कई बार यह बात दोहरा चुके हैं कि भारत, रूस से तेल खरीदता है और ऐसा करके वह यूक्रेन युद्ध को भड़काने में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मदद कर रहा है। एक दिन पहले भी उन्होंने 24 घंटे के भीतर भारत पर बहुत अधिक टैरिफ लगाने की बात कही थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जिस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं उसके अनुसार, 8 मार्च 2022 को रूस पर यूक्रेन पर हमला करने के चलते कुछ आयात और निवेशों पर प्रतिबंध लगाया गया था। 15 अप्रैल, 2021 को भी अमेरिका ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किया था। इस आदेश के तहत रूस से कच्चे तेल, पेट्रोलियम और पेट्रोलियम ईंधन, तेल और उनसे जुड़े उत्पादों का अमेरिका में आयात बैन था। ट्रंप ने दूसरे आदेश के तहत ही भारत पर टैरिफ लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा हस्ताक्षर किए गए कार्यकारी आदेश में कहा गया है, मुझे यह ज्ञात हुआ है कि भारत सरकार वर्तमान में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से रूस संघ से तेल का आयात कर रही है।

सीएम रेवंत ने सांसदों के साथ दिल्ली में किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को दिल्ली के जंतर मंतर पर एक बड़ा प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन का मकसद था तेलंगाना विधानसभा द्वारा पास किए गए पिछड़ा वर्ग (बीसी) आरक्षण बिलों को राष्ट्रपति की मंजूरी दिलवाना। रेवंत रेड्डी के साथ बड़ी संख्या में तेलंगाना कांग्रेस के कार्यकर्ता भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह जानबूझकर इन बिलों को लटका रही है। इस दौरान तेलंगाना कांग्रेस के कई विधायक, सांसद और सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए और कांग्रेस की जय, तेलंगाना की जय के नारे भी लगाए।

लोकसभा में एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती

विपक्ष के हंगामे के बीच केंद्रीय मंत्री रिजिजू की दो टूक

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ विपक्ष संसद में चर्चा की मांग कर रहा है। इसे लेकर संसद में कई दिनों से हंगामा जारी है। बुधवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया पर लोकसभा में चर्चा नहीं हो सकती क्योंकि यह मामला सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है और नियम ऐसे मुद्दों पर सदन में चर्चा की अनुमति नहीं देते जो अदालत में लंबित हैं। बुधवार को भी बिहार में एसआईआर के खिलाफ विपक्ष ने संसद में जमकर हंगामा किया, जिसके चलते दोपहर दो बजे सदन

की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित करनी पड़ी। मानसून सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा और कुछ विधेयक पारित होने के अतिरिक्त खास काम नहीं हो सका है और विपक्ष एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की मांग पर अड़ा है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर के जरिए बड़ी संख्या में लोगों का मताधिकार छीना जा रहा है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने कहा कि लोकसभा के नियम न्यायालय में विचाराधीन मामलों पर सदन में चर्चा की अनुमति नहीं देते। उन्होंने यह भी बताया कि चुनाव आयोग जैसी स्वायत्त संस्थाओं के कामकाज पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती। उन्होंने सदस्यों से प्रमुख विधेयकों के पारित होने के दौरान बहस में भाग लेने का आग्रह किया। बिहार मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर 12 अगस्त को सुनवाई कर सकता है।

एससीओ सम्मेलन में हिस्सा लेने चीन जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए चीन जाएंगे। यह दौरा 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगा। पीएम मोदी की 2020 में गलवां घाटी में भारत-चीन सैन्य झड़प के बाद पहली चीन यात्रा होगी। उन्होंने पिछली बार 2019 में चीन का दौरा किया था। चीन जाने से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान दौरा पर पहुंचेंगे। यहां वो भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

एससीओ सदस्य देशों के साथ चर्चा में क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद और व्यापार पर चर्चा होगी।

पुलिस की ड्रेस पहनकर विस पहुंचे विधायक

आरक्षक भर्ती में गड़बड़ी को लेकर किया प्रदर्शन

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा मानसून सत्र के आठवें दिन आरक्षक भर्ती गड़बड़ी मामले को लेकर कांग्रेस विधायक पुलिस की ड्रेस पहनकर पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में आरक्षण भर्ती मामले की जांच की मांग करते हुए गांधी प्रतिमा के पास बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। दरअसल भाजपा सरकार पर अलग अलग मुद्दों पर आरोप लगाते हुए उसके हिसाब से प्रतीकों के साथ कांग्रेस विधानसभा में प्रदर्शन कर रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि इन परीक्षा में असली उम्मीदवारों की जगह नकली सॉल्वर परीक्षा दे रहे थे। जांच में फोटो, सिग्नेचर, हैंडराइटिंग और फिंगरप्रिंट मेल नहीं खा रहे, फर्जी आधार कार्ड के ज़रिए 7411 पदों की भर्ती में खुला खेल जारी है।

जन विश्वास विधेयक 2025 विधानसभा में पारित

छोटे मामलों में अब नहीं जाना होगा कोर्ट-कचहरी

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने आम लोगों, उद्यमियों और छोटे कारोबारियों को अनावश्यक कानूनी उलझनों से राहत देने के उद्देश्य से जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक 2025 विधानसभा में प्रस्तुत किया, जिसे सदन में चर्चा के बाद पारित कर दिया गया। इस विधेयक के तहत 4 पुराने और अनुपयोगी कानूनों को समाप्त किया गया है, वहीं 16 कानूनों की 44 धाराओं को अपराध की श्रेणी से बाहर कर सामान्य आर्थिक दंड (पेनल्टी) में बदला गया है।

एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप ने मंगलवार को विधेयक को विधानसभा में पेश किया और बुधवार को इस पर हुई चर्चा के दौरान बताया कि अब छोटी-मोटी त्रुटियों या अनजाने में हुए सिविल उल्लंघनों पर आम नागरिकों और व्यवसायियों को कोर्ट-कचहरी के चक्कर नहीं लगाने होंगे। यह विधेयक 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और न्याय प्रक्रिया को सरल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। हालांकि, कांग्रेस विधायक सोहनलाल वाल्मीकि ने विधेयक पर सवाल खड़े किए और कहा कि जन विश्वास 1.0 का अभी तक कोई ठोस असर नहीं दिखा, ऐसे में 2.0 लाने का औचित्य स्पष्ट नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधेयक केवल अफसरों की सलाह से बनाया गया है और इसमें आम जनता, विशेषज्ञों या जमीनी अनुभव को शामिल नहीं किया गया।

प्राइवेट स्कूलों को फायदा पहुंचाने के लिए भाजपा बिल लाई

पूर्व सीएम आतिशी का रेखा सरकार पर हमला

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की नेता और पूर्व सीएम आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर निजी स्कूलों को लेकर लाए गए बिल पर भाजपा सरकार को घेरा। आप नेता आतिशी ने कहा कि भाजपा सरकार निजी स्कूलों को फायदा पहुंचाने के लिए बिल लेकर आई है। आगे कहा कि निजी स्कूलों की बढ़ाई गई फीस का अभिभावक विरोध कर रहे थे। जिसके बाद भाजरा सरकार ने अप्रैल में कहा कि वह बिल लेकर आ रहे हैं। लेकिन यह बिल चार महीने के बाद अगस्त में लाया गया। इसमें इतना समय क्यों लगा और इस बिल के लिए किसी से राय क्यों नहीं ली गई? आगे कहा कि दरअसल, यह बिल निजी स्कूलों को बचाने और उन्हें फीस बढ़ाने का मौका देने के लिए लाया गया है। यह बात कल विधानसभा में भाजपा के विधायक राजकुमार भाटिया ने मान भी ली। बीते मंगलवार को आप दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने अभिभावकों के प्रदर्शन में शामिल होकर उनकी मांगों का समर्थन किया।

बिहार में हटाए गए 65 लाख मतदाताओं के नाम

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव आयोग (ईसी) को निर्देश दिया है कि वह बिहार के ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटाए गए करीब 65 लाख मतदाताओं की पूरी जानकारी 9 अगस्त तक पेश करे। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह जानकारी उन राजनीतिक दलों के साथ-साथ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) नाम की एनजीओ को भी दी जाए, जिसने इस मुद्दे पर याचिका दाखिल की है।

चुनाव आयोग ने बिहार में 24 जून को विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) शुरू किया था। इसके तहत 1 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई, जिसमें 7.24 करोड़ मतदाता दिखाए गए।

मिर्जापुर में लाल निशान के पार हुई गंगा, 14 की मौत

लखीमपुर खीरी शारदा भी खतरे के निशान से ऊपर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ का कहर बढ़ता जा रहा है। सिंचाई विभाग के आंकड़ों के मुताबिक मिर्जापुर जिला बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित है। यहां उफनाई गंगा वर्ष 2021 के अपने उच्चतम जलस्तर से चुनार में सात और नरायणपुर में 18 सेमी ऊपर बह रही है। सिंचाई विभाग की ओर से संबंधित अधिकारियों को इसके लिए अलर्ट कर दिया गया है। उधर, बारिश से हुए हादसों में 14 की जान चली गई।

अधिशासी अभियंता (बाढ़ मंडल) हरिओम गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को सबसे गंभीर स्थिति मिर्जापुर जिले की है। चुनार क्षेत्र में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। 2021 में यहां का जलस्तर खतरे के निशान यानी लाल निशान 75.28 मीटर से ऊपर पहुंच गया था। मंगलवार को इससे भी सात सेमी ज्यादा हो गया। इससे 36 गांव प्रभावित हैं। यहीं के नराणपुर में स्थिति और भी खराब है। यहां नदी वर्ष 2021 के अपने उच्चतम जलस्तर 74.91 से 18 सेमी ऊपर बह रही है।

हम संतुष्टि की राजनीति करते हैं, तुष्टिकरण की नहीं : योगी

मुरादाबाद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को मुरादाबाद में विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग कभी तुष्टिकरण की राजनीति करके सत्ता में आए वह आज पूरी तरह से हाशिए पर पहुंच गए हैं।

भाजपा की योजनाएं तुष्टिकरण नहीं बल्कि संतुष्टिकरण की भावना पर आधारित हैं, जो बिना किसी भेदभाव के समाज के हर वर्ग तक पहुंचती हैं। मुख्यमंत्री मुरादाबाद के बिलारी में अटल आवासीय विद्यालय के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

करीब 79 करोड़ की लागत से तैयार यह विद्यालय निर्माण

श्रमिकों और वंचित वर्ग के बच्चों को समर्पित किया गया है। योगी ने इसे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्मशताब्दी पर उन्हें समर्पित आदर्श शिक्षा मंदिर बताया।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जिन्होंने सत्ता को अपनी निजी दुकान समझा, उन्होंने शिक्षा व्यवस्था को नकल, अराजकता और जातिवाद में धकेल दिया था। आज वह हमारी समावेशी विकास नीति से घबराए हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय न सिर्फ शिक्षा का केंद्र होगा, बल्कि अनुशासन, संस्कार और आत्मनिर्भरता की पाठशाला भी बनेगा। मुख्यमंत्री ने रक्षा बंधन, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 8 से 10 अगस्त तक प्रदेश की सभी महिलाओं को रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा की सौगात देने की घोषणा की।

योगी आदित्यनाथ ने बताया कि प्रदेश में अब तक 18 अटल आवासीय विद्यालय खोले जा चुके हैं। इसमें 18 हजार से ज्यादा मजदूरों, अनाथों और वंचित तबके के बच्चों को निःशुल्क आवासीय शिक्षा दी जा रही है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सरकार न सिर्फ 12वीं तक, बल्कि उच्च शिक्षा चाहे वह मेडिकल हो या इंजीनियरिंग की पूरी जिम्मेदारी भी उठाएगी।

उन्होंने बताया कि यह विद्यालय भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के फंड से निर्मित हुआ है। पूर्ववर्ती सरकारों में यह फंड भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता था, लेकिन अब इसका उपयोग गरीब श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा में हो रहा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश अब शिक्षा के क्षेत्र में देश के शीर्ष तीन से पांच राज्यों में शामिल हो चुका है। अटल विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, साइंस लैब, खेल सुविधाएं, हॉस्टल और स्किल डेवलपमेंट सेंटर जैसी अत्याधुनिक व्यवस्थाएं की गई हैं।

गोंदवाली कोलयार्ड में छापेमारी, सैंपल रिपोर्ट आने के बाद अघोर और मां काली पर हो सकती हैं कार्यवाही

प्रशांत जायसवाल पर कोयला मिक्सिंग कराने का आरोप, यदि सही जांच रिपोर्ट आई तो होंगे चौंकाने वाले खुलासे

सिंगरौली। जिले के गोंदवाली कोल यार्ड से रेलवे रैक के माध्यम से देश-प्रदेश के कई पावर प्लांटों में कोयला भेजा जाता है। इस कोयले से बिजली तैयार की जाती है, उसी को लेकर पुलिस ने एक भस्सी से भरें ट्रक को पकड़ा था। वहीं खनिज विभाग और पुलिस को लगातार कोयले में स्टोन डस्ट और छाई की मिलावट की खबरें मिल रही थी। इसको लेकर पुलिस और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम के द्वारा गोंदवाली कोलयार्ड में छापामार कार्रवाई की गई। आरोप है कि अघोर और मां काली कंपनी कोयले में मिक्सिंग कर रही है। आरोपों में कितनी सच्चाई है यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के करीब एक दर्जन अधिकारियों की टीम ने बीते सोमवार की सुबह से दोपहर बाद तक गोंदवाली रेलवे कोलयार्ड में छापेमारी की। गोंदवाली के वार्ड

क्रमांक 15 से लेकर वार्ड क्रमांक 28 में बने कोलयार्ड से सेंपल एकत्र कर खनिज विभाग की मदद से जांच के लिए कई जगह से लिए गए हैं। हालांकि कोलयार्ड में लिए गए सेंपल में भस्सी और छाई की कितनी मिलावट है या फिर कोलयार्ड में कितना कोयले का स्टॉक है इस बात की जानकारी जांच टीम ने नहीं बताई। चर्चा है कि संभवतः सेम्पल की जांच रिपोर्ट आने पर ही आगे कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों का दावा कि गोंदवाली स्थित रेलवे साइडिंग पर करीब 15000 मिट्रिक टन कोयले का भंडार डंप किया गया है। मगर यह कौन से फर्म का है। इसकी जानकारी खनिज व राजस्व टीम को नहीं मिली है। वहीं गोंदवाली में साइडिंग पर यार्ड में डंप कोयला कौन-कौन से फर्म का है इसकी जानकारी जांच टीम को नहीं दी गई। अब जिला प्रशासन ने रेलवे व एनसीएल से यह जानकारी मांगी है। आरोप है कि छाई छत्तीसगढ़ प्रांत के रामगढ़ से लोडकर कोलयार्ड गोंदवाली में खपाने के मक्सद से लाया जाता है। वहीं अघोर और मॉ काली कंपनी के कोलयार्ड पर कोयलें में मिक्सिंग कराया जाने का आरोप भी है। सोशल मीडिया में इन दिनों यह मामला काफी तूल पकड़ा हुआ है।

कोल कारोबारियों तक पहले ही पहुंच गई थी कार्यवाही की खबर

साइडिंग में डंप कोयला किस-किस फर्म का है, यह जानकारी जांच टीम को नहीं दिया गया है। यह बात और है कि कोयले में भस्सी या छाई की मिलावट के संबंध में जांच कराई जाएगी। चर्चा है कि जिला प्रशासन और पुलिस टीम द्वारा अचानक की गई यह कार्यवाही की जानकारी कोल माफिया को पहले ही लग गई थी। लिहाजा कई गाड़ियां बस्सी और छाई रात को ही कोलयार्ड से हटा लिया गया था। हालांकि कोयले में मिलावट स्पष्ट रूप से नजर आ रहा था, अब देखने लायक होगा कि कोयले में मिलावट की जांच करने वाली टीम के द्वारा ले गए सेंपल में कितनी मिलावट का खुलासा होता है।

रेलवे अधिकारियों और कोल माफियाओं की सांठगांठ

कोयले में मिक्सिंग का खेल रेलवे अधिकारियों के बिना संभव नहीं है। हालांकि मिक्सिंग के खेल में कई रेलवे अधिकारियों पर कार्यवाही भी हुई, लेकिन अकूत पैसा होने के चलते रेलवे पुलिस हर जोखिम उठाने के लिए तैयार रहते हैं। कोयले में मिक्सिंग के खेल में रेलवे पुलिस करोड़ों में कमाई करती है। जानकारी के मुताबिक बीते शनिवार की रात झारखंड के रामगढ़ से भस्सी लेकर गोंदवाली स्थित दो हाईवा वाहन क्रमांक यूपी 64 बीटी 4625 व यूपी 64 बीटी 4627 को संदिग्ध परिस्थितियों में खड़ा पाकर ग्रामीणों ने पकड़ा। जिसकी जानकारी बरगवां पुलिस को दी। जहां पुलिस ने दोनों वाहनों को थाने में खड़ा कराया गया था। वाहनों का कागज सतना जाने के लिए बना था। सूत्रों का दावा है कि दोनों हाइवा वाहन भस्सी लेकर गोंदवाली स्थित मॉ काली फर्म में जा रहे थे। लेकिन कोलयार्ड में पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने उसे पड़कर मिक्सिंग के खेल को बेनकाब कर दिया।

एनसीएल परियोजना निगाही के एक सैकड़ा मजूदर रहे हड़ताल पर

न्यूनतम मजदूरी एवं स्वास्थ्य सुविधा न देने का आरोप, टीआई के हस्तक्षेप पर शांत हुआ मामला

सिंगरौली। एनसीएल परियोजना निगाही के सीएचपी में कार्य करने वाले श्रमिक आज दिन बुधवार की अल सुबह करीब 4ः30 बजे प्रवेश द्वार के सामने आवागमन बाधित करते हुये धरने पर बैठ गये। जहां टीआई एवं एनसीएल का अमला स्थल पहुंच उनकी समस्याओं को सुना।

दरसअल एनसीएल परियोजना निगाही के सीएचपी में कार्य करने वाले करीब एक सैकड़ा श्रमिक आज दिन बुधवार की अल सुबह उक्त परियोजना सीएचपी के प्रवेश द्वार बैरियर के सड़क मार्ग पर कामकाज ठप करते हुये आवागमन रोक धरने पर बैठ गये। श्रमिको की मांग थी कि सीएचपी के संविदाकार के द्वारा महीने में मात्र 8 से 10 हजार रूपये ही पारिश्रमिक भुगतान

दिया जाता है और अन्य जगह पारिश्रमिक भुगतान ज्यादा है। यहां मेडिकल सहित अन्य सुविधाएं नही मिलती हैं। पारिश्रमिक भुगतान बढ़ाने सहित अन्य समस्याओं को अवगत कराने के बाद संविदाकार के कर्ताधर्ताओं के द्वारा गाली-गलौज, अभद्र व्यवहार एवं बाउंसरों से मारपीट की जाती है और श्रमिक अपने-आप को अपमानित महसूस करते हैं। इधर श्रमिको के हड़ताल की खबर मिलते ही एनसीएल प्रबंधन, संविदाकार स्थल पहुंच श्रमिको का मान-मुनौवल शुरू कर दिया। लेकिन श्रमिक अपनी मांगों पर अड़े थे और मामला काफी गरमाने लगा। नवानगर टीआई कपूर त्रिपाठी को जानकारी मिली। जहां पुलिस स्टाफ के साथ स्थल पहुंच श्रमिको के बीच बैठ चर्चा करने। अंत में एनसीएल प्रबंधन झुका और श्रमिको की बात मानते हुये शीघ्र ही सभी मुद्दों पर विस्तृत चर्चा कर समस्याओं एवं मांगों का निराकरण करने का आश्वासन दिया। बताया जाता है कि करीब पॉच घंटे तक श्रमिको का धरना चलता रहा। इस दौरान एएसआई अरविन्द चतुर्वेदी समेत अन्य पुलिस अमला मौजूद रहे।

पीएम आवास शहरी इंटरेस्ट सब्सिडी स्कीम के लिए शिविर आज

सिंगरौली। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत ईडब्यूएस, एलआईजी, एमआइजी के पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने के लिए बैंक, एचएफसी के साथ समन्वय स्थापित कर विभिन्न तिथियों में शिविर आयोजित किए जायेंगे। जानकारी के अनुसार उक्त शिविर कल 7 अगस्त को ननि सभागार में प्रातः 11 बजे से शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसी तरह से उप कार्यालय नवजीवन विहार में 20 अगस्त को राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम में 3 सितम्बर, नगर निगम सभागार में 17 सितम्बर, उप कार्यालय नवजीवन विहार में 10 अक्टूबर , अटल सामुदियक भवन बिलौंजी में 22 अक्टूबर, राजामाता चून कुमारी स्टेडियम में 12 नवम्बर, ननि सभागार में 28 नवम्बर, सामुदायिक भवन बिलौंजी में 10 दिसम्बर तथा राजमाता चूनकुमारी स्टेडियम में 24 दिसम्बर को शिविर आयोजित पात्र हितग्राहियो को बैको से समन्वय बनाकर लाभान्वित कराया जायेगा।

ननि आयुक्त डीके शर्मा के द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि शिविर में पात्र हितग्राहियों को उनकी पात्रता अनुसार लाभ प्रदान कराने के साथ ही व्यापक स्तर पर शिविर का प्रचार-प्रसार कराये, ताकि अधिक से अधिक हितग्राही शिविर में पहुंचकर लाभ उठा सके।

तहसीलदारों व नायब तहसीलदार ने आज से शुरू किया हड़ताल

कामकाज ठप, पहले ही दिन से काश्तकार परेशान

सिंगरौली। जिले के तहसीलदार और नायब तहसीलदारों ने प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल आज दिन बुधवार से शुरू कर दी है। राजस्व विभाग में न्यायिक और गैर-न्यायिक कार्यों के बटवारे को लेकर नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों ने सामान्य शासकीय कार्यों से पूरी तरह विरत हो गये हैं। सिर्फ प्राकृतिक आपदा के कार्यो को अहमियत देते हुये प्रमुखता के साथ कर रहे हैं।

जिले के सिंगरौली शहर, सिंगरौली ग्रामीण, बरगवां, देवसर, सरई, दुधमनिया, चितरंगी, माड़ा तहसील के साथ-साथ जिले के सभी नायब

तहसीलदार के कार्योलयों में आज ताले लटके रहे। वही अधिकारियों ने शासकीय वाहन भी संबंधित विभागों को वापस सौंप दिए। यहां बताते चले कि सरकार द्वारा किए गए कार्य विभाजन को लेकर अधिकारियों में असंतोष है। तहसीलदार एवं नायब तसीलदारों का कहना है कि यह निर्णय कार्य के स्वरूप और गरिमा के विपरीत है । गौरतलब है कि राज्य के 25 जिलों में नवाचार के रूप में राजस्व अधिकारियों, तहसीलदार, नायब तहसीलदार को दो भागों में विभाजित किया जा रहा है। एक भाग में न्यायिक अधिकारी होंगे, जो राजस्व प्रकरणों का निराकरण करेंगे। दूसरे भाग में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट के रूप में अधिकारी होंगे, जो कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने में कार्य करेंगे। इसी बात को लेकर संघ के प्रांतव्यापी आह्वान पर तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार आज दिन बुधवार को प्राकृ तिक आपदा संबंधित कार्यो को छोड़ कर अन्य राजस्व से जुड़े कार्यो से दूरी बनाते हुये बेमियादी हड़ताल पर चले गये। हड़ताल के आज पहले दिन ही कास्तकार इधर-उधर भटकते नजर आये। वही जिले के राजस्व अधिकारियों ने कलेक्टर सिंगरौली को ज्ञापन पत्र प्रस्तुत कर व्यवहारिक कठिनाइयों के संबंध में अवगत कराया।

तहसीलदार नगर सविता यादव, ग्रामीण जान्हवी शुक्ला, तहसीलदार सरई चंद्रशेखर मिश्रा, चितरंगी ऋषि नारायण सिंह, नायब तहसीलदार प्रीति सिंह, सिकरवार, प्रतीक्षा सिंह, प्रभारी तहसीलदार देवसर कमलेश कुमार मिश्रा, तहसीलदार सुनील दत्त मिश्रा, नायब तहसीलदार अभिषेक यादव, तहसीलदार सारिका ज्ञापन के दौरान मौजूद रहे।

करंट लगने से युवक की मौत

सिंगरौली। लंघाडोल थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगरी निवासी एक 28 साल युवक को आज दिन बुधवार को बिजली करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम डोंगरी निवासी मेवाराम साकेत पिता बाबूराम साकेत उम्र 28 वर्ष आज दिन बुधवार की सुबह करीब 9 बजे घर से करीब सौ मीटर दूर स्थित मोटर चलाने गया था। तभी मोटर का तार जोड़ते समय हाथ में चिपक गया। जहां युवक की घटना स्थल पर मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र धुर्वे स्थल पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी।

क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक गौतम देब ने किया रिहंद परियोजना का दौरा

सिंगरौली। एनटीपीसी रिहंद परियोजना में क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक गौतम देब ने 5 एवं 6 अगस्त को दो दिवसीय दौरा किया। अपने दौरे के पहले दिन उन्होंने एफजीडी क्षेत्र के निरीक्षण से की, जहाँ उन्होंने परियोजना की पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओं की प्रगति का अवलोकन किया। इसके उपरांत उन्होंने कंट्रोल रूम का भ्रमण किया, जहाँ उन्होंने संयंत्र की संचालन प्रणाली, सुरक्षा मानकों एवं नवीन तकनीकों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के उपरांत उन्होंने

प्रशासनिक भवन स्थित मंथन प्रेक्षागृह में परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ के साथ बैठक कर परियोजना की कार्यप्रणाली की समीक्षा की। तत्पश्चात उन्होंने परियोजना में कार्यरत विभिन्न यूनियनों एवं एसोसिएशनों के पदाधिकारियों से संवाद कर उनके विचारों को जाना। तत्पश्चात वे तरंग प्रेक्षागृह में आयोजित भव्य सांस्कृतिक संध्या में शामिल हुए। यह कार्यक्रम रिहंद परिसर में संचालित विद्यालयों के छात्राओं, वर्तिका महिला मण्डल द्वारा संचालित वेल्फेयर विंग उड़ान के बालिकाओं एवं कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। बच्चों की आकर्षक एवं सराहनीय प्रस्तुतियों ने अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वही दौरे के दूसरे दिन गौतम देब ने एनटीपीसी रिहंद परियोजना के समीपवर्ती शैक्षणिक संस्थान का दौरा किया।

महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

सिंगरौली। मोरवा थाना क्षेत्र के ग्राम चिनगो निवासी एक 30 साल महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है । वही मृतिका के माईके पक्ष वालों ने उसके ससुराल पक्ष वालों पर मारपीट करने का आरोप लगाया।

जानकारी के अनुसार मोरवा थाना क्षेत्र के ग्राम चिनगो निवासी बन्नी साकेत पति सुनील साकेत उम्र 30 वर्ष आज अचानक बीमार हुई। जहां उसे अस्पताल ला रहे थे कि उसकी मौत हो गई।

बिना परमिट के चल रहे किराये के पॉच स्कूल वाहन जप्त

सिंगरौली। जिला मुख्यालय बैढ़न के डीएव्ही मार्ग में आज दिन बुधवार को परिवहन अमला डीएव्ही एवं ई-कोल स्कूल पहुंच स्कूली वाहनों का जांच किया। जहां किराये से चल रहे पॉच वाहनों को जप्त कर 14 हजार रूपये का जुर्माना रसीद काटी गई है।

जानकारी के अनुसार आज दिन बुधवार को जिला परिवहन अधिकारी विक्रम सिंह राठौर ने विभागीय स्टाफ लिपिक वर्ग तीन व्यौमकांत तिवारी एवं अन्य अमले के साथ बैढ़न के डीएव्ही मार्ग

पहुंचे और स्कूली वाहनों का जांच पड़ताल एवं दस्तावेज देखने लगे। इस दौरान ई-कोल स्कूल एवं डीएव्ही विद्यालय के बच्चों को लाने-ले जाने के लिए किराये के उक्त वाहनों के पास परमिट नही था। जिन्हें जप्त कर 14 हजार रूपये की रसीद काटी गई। आरटीओ के इस कार्रवाई वाहन चालको के मालिको में हड़कंप मचा हुआ है।

देवरा-एलआईजी मोड़ से अदाणी टाउनशीप सड़क की हालत खस्ता

सिंगरौली। ननि के वार्ड क्रमांक 42 एलआईजी-देवरा मोड़ से लेकर अदाणी टाउनशीप करीब डेढ़ सौ मीटर लम्बाई दूरी की सड़क गड्ढों में तब्दील हो गई है। बारिश के दिन पैदल चलने में भी परेशानी हो रही है। दरअसल करीब एक साल पहले अदाणी कंपनी के द्वारा एलआईजी-देवरा मार्ग से लेकर टाउनशीप तक सड़क का मरम्मत कार्य कराया गया। किंतु एक साल के अंदर ही सड़क के चिथड़े निकलने लगे। आलम यह है कि एक नही दर्जनों की संख्या में गड्ढे हो जाने के कारण बारिश के दिन सड़क में पानी भर जाने से पैदल आने-जाने में भी रहवासियों एवं राहगीरों को तरह-तरह के परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह समस्या आज से नही कई महीनों से है, लेकिन सड़क का मरम्मत कार्य कराने से न तो नगर निगम दिलचस्पी दिखा रहा है और न ही उक्त कंपनी दिखा रही है। जिसके चलते आवागमन में खासतौर पर बारिश के दिन में लोगों को काफी कठिनाई हो रही है। आलम यह है कि सड़क के टूटने से दो-चार नही दर्जनों की संख्या में गड्ढे बन गये हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि जानकारी होने के बावजूद मरम्मत कार्य नही कराया जा रहा है, जबकि इसी मार्ग से रोजाना उक्त कंपनी के कर्मचारियों का आना-जाना होता है। फिर भी गड्ढों को भरने का काम नही कराने से रहवासियों में भी नाराजगी बढ़ रही है। जबकि यहां बताते चले कि इसी मार्ग से गनियारी बस्ती के हजारों लोगों का आना-जाना रोजाना होता है। रहवासियों ने इस ओर निगमायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया है।

डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन में 20 अगस्त तक होगा खिलाड़ियों का पंजीयन

सिंगरौली। रीवा डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित होने वाले अंतरजिला एवं अंतर संभागीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए अपने जिले में पंजीयन कराना अनिवार्य कर दिया गया है। सिंगरौली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव पुरुषोत्तम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि रीवा डिवीजन क्रिकेट एसोसिएशन के निर्देशानुसार सत्र 2025-2026 से सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में भाग लेने से पूर्व अपने संबंधित जिले की क्रिकेट एसोसिएशन में पंजीयन कराना आवश्यक होगा। जिले के समस्त इच्छुक क्रिकेट खिलाड़ियों से आग्रह है कि वे 20 अगस्त तक अपना पंजीयन आवश्यक रूप से पूर्ण करा लें, ताकि आगामी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के पात्र बन सके।

संविदा कम्पनियां जिले के 70 प्रतिशत स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध करायें : कलेक्टर

कम्पनियां अपने अधिनस्थ कार्यरत श्रमिक कर्मचारियों की सूची एक सप्ताह में उपलब्ध करायेः शुक्ला

सिंगरौली। एनसीएल परियोजनाओं में कार्यरत संविदा कम्पनियां जिले के 70 प्रतिशत स्थानीय युवाओं को कुशल तथा अकुल श्रेणी में रोजगार उपलब्ध कराये। साथ ही एक सप्ताह के अंदर कम्पनियों में कार्यरत श्रमिकों की सूची जिला प्रशासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चि करें। उक्त आशय का निर्देश कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला प्रशासन एवं एनसीएल परियोजनाओं में कार्यरत संविदा कम्पनियों की संयुक्त बैठक के दौरान कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला के द्वारा दिया गया। कलेक्टर चन्द्रशेखर शुक्ला के अध्यक्षता एवं एसपी के उपस्थित में जिला प्रशासन एवं एनसीएल

परियोजनाओं में कार्यरत संविदा कम्पनियों की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। पूर्व बैठक में कलेक्टर द्वारा कम्पनियों को इस आशय के निर्देश दिए गए थे कि कम्पनियां जिले के 70 प्रतिशत स्थानीय युवाओं को रोजगार का अवसर देगी। बैठक के दौरान उक्त के संबंध में कम्पनियों से जानकारी प्राप्त करने के पश्चात कलेक्टर ने निर्देशित किया कि एक सप्ताह सभी कम्पनियां अपने यहां कार्यरत श्रमिको की सूची जिला प्रशासन को उपलब्ध करायें। श्रमिको को कुशल एवं अकुशल श्रेणी में विभाजन करने के साथ-साथ उनके स्थानीय होने के आवश्यक प्रमाण एवं कम्पनियों की कर्मचारी पंजी की जानकारी भी उपलब्ध कराये। बैठक के दौरान निदेश कर्मिक एनसीएल मनीष कुमार, एसडीएम सृजन बर्मा, एसडीओपी मोरवा गौरव पाण्डेय, तहसीलदार अभिषेक यादव, श्रम अधिकारी नवनीत पाण्डेय सहित कम्पनियो के अधिकारी मौजूद रहे।

जिला न्यायालय परिसर में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

सीधी। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर स्थिति ए.डी.आर. सेंटर में दिनांक 06.08.2025 को श्री दीपक शर्मा प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, श्री मुकेश कुमार शिवहरे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी, श्री मृदुल लटौरिया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक द्वारा जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों एवं उपलब्ध नि:शुल्क विधिक सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। शिविर का उद्देश्य आमजन

तक न्याय तक सुलभ पहुँच सुनिश्चित करना था। शिविर के दौरान प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री दीपक शर्मा ने उपस्थित लोगों को विधिक सहायता योजनाओं, वरिष्ठ नागरिको, महिलाओं, बच्चों एवं समाज के कमजोर वर्गों को मिलने वाली नि:शुल्क कानूनी सहायता के बारे में जानकारी दी। श्री मृदुल लटौरिया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीधी ने उपस्थित पक्षकारों को नि:शुल्क विधिक सहायता योजना, नालसा हेल्पलाईन नं. 15100, नालसा पोर्टल, पीड़ित प्रतिकर योजना, लोकोपयोगी लोक अदालत, मध्यस्थता योजना की जानकारी दी। श्री मनीष कौशिक ने आगामी दिनांक 13 सितंबर 2025 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संबंध में की जानकारी दी। उन्होने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आमजन को न्याय दिलाने हेतु निरंतर कार्यरत है।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री मुकेश कुमार शिवहरे ने पंच-ज अभियान के बारे में विस्तार से बताया। श्री शिवहरे ने पौधारोपण के पर्यावरणीय, सामाजिक एवं स्वास्थ्य लाभों पर प्रकाश डालते हुए लोगों को अधिकाधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया।

शिविर में श्री दीपक शर्मा प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय, श्री मुकेश कुमार शिवहरे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी, श्री मृदुल लटौरिया न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक, अधिवक्तागण, न्यायालयीन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के कर्मचारीगण एवं आमजन नागरिक उपस्थित रहे।

शासकीय दर पर मत्स्य बीज के लिए मत्स्य विभाग में करें संपर्क

सीधी। मत्स्य विभाग सीधी के शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्रों गोरियरा एवं जोरौंधा में पर्याप्त मात्रा में मेजर कार्प मिक्स (कतला रोहू मृगल) तथा शुद्ध कतला फ्राई मत्स्य बीज उपलब्ध है जो जिले के मत्स्यपालकों को शासकीय दर पर विक्रय किया जावेगा। खेत तालाब, बलराम तालाब, निजी तालाबों एवं शासकीय तालाबों/जलाशयों के 10 वर्षीय पट्टा धारक मत्स्य विभाग द्वारा जारी किये गए मोबाइल नंबर 7692001789 एवं 8889026748 पर अपनी डिमांड नोट करवा सकते हैं। इसके अतिरिक्त ऐसे मत्स्यपालक जिन्होंने अब तक नेशनल फिशरीज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपना पंजीयन नहीं कराया है वे अपने साथ शासकीय तालाब जो 10 वर्षीय पट्टे पर आवंटित हो, का पट्टा आदेश तथा निजी मत्स्य पालक अपने तालाब का खसरा, बैंक पास बुक, आधार कार्ड एवं आधार से लिंक मोबाइल नंबर साथ मे लाकर मत्स्य बीज वितरण के दौरान अपना पंजीयन भी करवा सकते है।

किशोर न्याय बोर्ड परिसर में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

सीधी

म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में किशोर न्याय बोर्ड जिला सीधी में दिनांक 06.08.2025 को श्री मुकेश कुमार शिवहरे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी, सुश्री सुनीता रावत प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक द्वारा जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में श्री मुकेश कुमार शिवहरे सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के द्वारा वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण अधिनियम, अपराध विधि गिरफ्तारी, जमानत अभियुक्त के अधिकार, भारतीय न्याय संहिता एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता से संबंधित प्रावधान, आदिवासियों के कानूनी अधिकार, आदिवासियों को विधिक सहायता योजना, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961, भरण-पोषण विनियम के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। सुश्री सुनीता रावत प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड के द्वारा किशोर न्याय अधिनियम, बाल श्रम प्रतिषेध अधिनियम, किशोर न्याय बोर्ड एवं बाल कलयाण समिति के उद्देश्य कार्य एवं प्रक्रिया के संबंध में जानकारी दी गई। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मनीष कौशिक के द्वारा विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं की जानकारी के साथ साथ पंज-ज अभियान के अंतर्गत अपने क्षेत्र में 05-05 पौधे लगाये जाने हेतु प्रेरित किया गया। जिला विधिक सहायता अधिकरी श्री मनीष कौशिक ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आमजन को न्याय दिलाने हेतु निरंतर कार्यरत है।

स्वतंत्रता दिवस आयोजन के संबंध में अपर मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिये निर्देश

सीधी। अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से 15 अगस्त को मनाये जाने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की आवश्यक तैयारियों के संबंध में निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जी के संदेश का सजीव प्रसारण समारोह में किया जायेगा। सजीव प्रसारण प्रातरू 9.25 बजे से आरंभ होगा। उन्होंने प्रसारण के लिए एलईडी व अन्य व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि 15 अगस्त से पूर्व सजीव प्रसारण का रिहर्सल कर लिया जाय। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के संदेश में स्थानीय उपलब्धियों को भी शामिल किया जायेगा। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पूर्व वर्षों की भांति समारोहपूर्वक व्यवस्थित रूप से गरिमामयढंग से मनाया जायेगा।

वीडियों कान्फ्रेंसिंग में कलेक्ट्रेट एनआईसी में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक डॉ रविन्द्र वर्मा, सीईओ जिला पंचायत अंशुमन राज, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मप्र में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाएं : मुख्यमंत्री

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता और स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के उत्सव में जन-जन को शामिल करने के उद्देश्य से यह अभियान संचालित करने का निर्णय लिया है। हर घर तिरंगा अभियान प्रारंभ हो चुका है, जो 15 अगस्त तक निरंतर चलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा है कि इस वर्ष की थीम स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग निर्धारित की गई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के बेहतर स्वच्छता के संकल्प को इससे बल मिलेगा।

पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 की कार्यशाला आयोजित

टॉप 10 चयनित पंचायतों को किया गया पुरस्कृत

सीधी

जिला पंचायत सीधी के सभागार में पंचायत उन्नति सूचकांक 1.0 के कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में टॉप टेन चयनित ग्राम पंचायत को पुरस्कार राशि के साथ प्रमाण पत्र तथा द्वितीय टॉप 10 चयनित ग्राम पंचायत को अध्यक्ष जिला पंचायत मंजू सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा द्वारा पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र का वितरण किया गया।

पंचायत उन्नत सूचकांक के मास्टर ट्रेनर के द्वारा पीएआई 1.0 के विमोचन एवं प्रचार प्रसार करते हुए पंचायत उन्नत सूचकांक के अद्यतन पंचायत उन्नत सूचकांक वेबसाइट में करने के बारे में बताया गया एवं अन्य जानकारियां ग्राम पंचायत सचिव सरपंच जिला अधिकारियों जनपद अधिकारियों एवं जिला पंचायत के अधिकारी/कर्मचारी के समक्ष प्रदर्शित किया गया। जबलपुर एसआईआरडी से डॉ त्रिलोचन सिंह की उपस्थिति में सभा में सभी को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में अच्छा कार्य करने हेतु पंचायत उन्नत सूचकांक के आधार पर वित्त वर्ष 23- 24 में ए एवं ए प्लस कैटिगरी में आने हेतु सभी को प्रेरित किया गया। कार्यशाला में जिला पंचायत सदस्य सरस्वती बहेलिया, पूजा सिंह कुशराम सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं पर कार्यवाही करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने अधिकारियों को समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि सभी अधिकारी 100 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों तथा समाधान ऑनलाइन के आवेदनों पर तत्परता से कार्यवाही करें। निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रथम सूचना रिपोर्ट, बिजली बंद होने तथा वोल्टेज की समस्या, ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई, जल निकासी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना शामिल हैं। कलेक्टर ने कहा कि एजेण्डा बिन्दुओं में पीएम किसान सम्मान निधि, जननी सुरक्षा योजना तथा तीन सौ दिवस से अधिक समय से लंबित आवेदन शामिल हैं। संबंधित अधिकारी तत्परता से कार्यवाही करके प्रकरणों का निराकरण करें। जिन योजनाओं में हितग्राहियों को पात्रता के अनुसार राशि का वितरण किया जाना है उनमें तत्काल राशि आवंटित करने की मांग करें। मांग पत्र में सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों का उल्लेख भी करें। जिन योजनाओं में आवंटन प्राप्त हो गया उनमें राशि का भुगतान करके संतुष्टिपूर्वक प्रकरण निराकृत कराएं।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कमर्जी में मुख्यमंत्री साइकल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

सीधी। दिनांक 06 अगस्त को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कमर्जी में मुख्यंत्रीर साइकल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं को साइकल वितरित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती आकांक्षा सुधांशु तिवारी जनपद सदस्य, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी सुधांशु तिवारी कटारे, कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य के.पी. सिंह रहे। उक्त कार्यक्रम में डी.एन. गुप्ता उच्च माध्यमिक शिक्षक, बी.पी. पटेल उच्च माध्यमिक शिक्षक, जे.पी. द्विवेदी उच्च माध्यमिक

शिक्षक, कमलापति गौतम उच्च माध्यमिक शिक्षक, वरिष्ठ शिक्षक जीतेन्द्र सिंह गहरवार, उमेश तिवारी, आदित्य प्रताप सिंह, राधिका पटेल, राजेश पटेल, रामयज्ञ सिंह, विनय शर्मा, के.के. मिश्रा, धीरज मिश्रा, दिलीप रावत सी.एस.सी., अनवर अहमद कादरी, श्रीमती अदिती तिवारी, प्रीती मिश्रा, कीर्ति शुक्ला, राजकुमार शर्मा, परवेज अंसारी, भृत्य ऋषि कुमार द्विवेदी एवं श्रीमती निर्मला सिंह अहिरवार उपस्थिति रहे।

उद्यान अधिकारी संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 के परिणाम घोषित

सीधी। म.प्र. राज्य कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा उद्यान अधिकारी संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। अभ्यर्थी अपना परीक्षा परिणाम ई.एस.बी. की वेबसाइट से डाउनलोट/मुद्रित कर सकते है।

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल द्वारा 2 जून 2025 को समूह-1 उपसमूह-1 के अंतर्गत जिला वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी भर्ती के लिये संयुक्त

ई.एस.बी. की वेबसाइट पर उपलब्ध

भर्ती परीक्षा-2024 प्रश्न पत्र श्एश्, भोपाल शहर में एवं समूह-2 उपसमूह-1 के अंतर्गत ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी, सहायक गुणवत्ता नियंत्रण संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 प्रश्न पत्र श्बीश्, मध्यप्रदेश के 11 शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, खण्डवा, नीचम, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सीधी एवं उज्जैन में आयोजित की गई। यह भर्ती परीक्षा उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, एवं मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी एवं ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी/सहायक गुणवत्ता नियंत्रण के कुल 151 पदों के लिये हुई। इस परीक्षा में विषयवार कुल 11024 आवेदकों को प्रवेश पत्र जारी किये गये, जिनमें से 6263 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए।

राजबहोर पाठक को बनाया गया साहित्य प्रकोष्ठ का प्रांतीय संयोजक

सीधी। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जिला इकाई सीधी की जिला कार्यकारिणी की बैठक महारानी लक्ष्मीबाई हाई स्कूल शास्त्री नगर सीधी में कल शाम दिनांक 05 अगस्त को संघ के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में आहुत की गई, जिसमें वार्षिक सदस्यता 2025, आगामी 04, 05, 06 अक्टूबर को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्वावधान में जयपुर (राजस्थान) में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारी और जिले की शिक्षक और शैक्षिक समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया।

पाण्डेय ने विगत 03 सितम्बर को बुरहानपुर में संपन्न। संगठन की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक की कृत कार्यवाही का वृत्त प्रस्तुत करते हुए जानकारी दी कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री के परामर्श पर शिक्षक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष क्षत्रवीर सिंह राठौर ने सीधी के पूर्व जिलाध्यक्ष

राजबहोर पाठक को साहित्य प्रकोष्ठ का प्रांतीय संयोजक नियुक्त किया है, जिसकी घोषणा अधिवेशन के समापन सत्र के अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रांतीय अध्यक्ष ने स्वयं की। सीधी जिले को प्रांतीय इकाई में मिले एक और प्रतिनिधित्व के लिए जिला इकाई सीधी द्वारा प्रांतीय कार्यकारिणी के प्रति हृदयाभार तथा राष्ट्रीय संगठन को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

बैठक समापन के पूर्व सीधी जिले के निवर्तमान जिलाध्यक्ष राजबहोर पाठक का साहित्य प्रकोष्ठ के प्रांतीय संयोजक के नवीन दायित्व के लिए अभिनंदन किया गया। बैठक में जिला संगठन मंत्री शिवशंकर सिंह चौहान, सचिव रामजी शुक्ल, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र तिवारी, उपाध्यक्ष द्वय निकिता सोनी, श्यामसुंदर तिवारी, उपसचिव वीरेंद्र सिंह लोली रामहित साकेत, बालेन्दु शेखर द्विवेदी, इन्द्रपाल चौधरी, सुभाषचंद्र द्विवेदी एवं लक्ष्मी बाई हाई स्कूल के प्राचार्य और शिक्षक गण की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। बैठक की कार्यवाही का संचालन जिला सचिव रामजी शुक्ल ने किया। सीधी जिले को प्रांतीय कार्यकारिणी में एक और प्रतिनिधित्व मिलने पर संगठन के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया है, जिसमें सर्वश्री गौतम मणि अग्निहोत्री प्रांतीय उपाध्यक्ष, संभागीय कोषाध्यक्ष अर्जुनसिंह बाघेल, संभागीय उपसचिव श्रीकुमार वंशल, के.के. श्रीवास्तव अध्यक्ष ब्लाक रामपुर नैकिन, पी.के. अग्निहोत्री अध्यक्ष तहसील रामपुर नैकिन, रामशरण पटेल अध्यक्ष तहसील चुरहट, राजेन्द्र बहादुर सिंह चंदेल अध्यक्ष ब्लाक सिहावल, गोपालदास गुप्ता अध्यक्ष तहसील सिहावल, शीलसागर पाण्डेय अध्यक्ष तहसील बहरी, कुमुद कुमार पाण्डेय अध्यक्ष ब्लाक सीधी, नारेन्द्र तिवारी अध्यक्ष ब्लाक मझौली सभी विकासखण्ड एवं तहसील इकाइयों के पदाधिकारी गण तथा शुभकामनाएं देने वाले संगठन के पूर्व पदाधिकारियों में एडवोकेट विजय कुमार सिंह पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष, एडवोकेट जगदीश उपाध्याय, पूर्व संभागीय अध्यक्ष द्वय ए.पी सिंह, रामकृष्ण तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष इन्द्रसेन त्रिपाठी, पूर्व जिला सचिव डॉ अरुण सिंह, पूर्व संभागीय उपाध्यक्ष रमेश गुप्ता, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अंबिका पाण्डेय, उजेन्द्र शुक्ल, संकर्षण प्रसाद द्विवेदी, सत्येन्द्र बहादुर सिंह, उपेन्द्र नाथ तिवारी, सतीश पाण्डेय महुगढ़, जंगबहादुर सिंह सिहावल, उपेन्द्र शुक्ल प्राचार्य, शिवकुमार गुप्त प्राचार्य कुचवाही मनोज तिवारी रजडिहा, मनसुख द्विवेदी, रामसुशील पटेल, समरबहादुर सिंह, छोटेलाल सिंह प्राचार्य, चन्द्रमौलि पाण्डेय प्राचार्य, लालजी सिंह हटवाखास, डॉ मनसुत कोल, कृष्ण गिरि उपनी, शशिकांत द्विवेदी प्राचार्य पटपरा, के.पी. पटेल प्राचार्य कमर्जी, अरविंद सिंह प्राचार्य तेंदुआ के.के. पटेल प्राचार्य माडल सिहावल शिवानंद शुक्ल। सीधी साहित्यकार बिरादरी के डा श्रीनिवास शुक्ल सरस, अंजनी कुमार सिंह सौरभ, रमाकांत द्विवेदी सावन, हरिविलास गुप्ता हरि, कमलेश कायल, भीमसेन भावेश, कुंजल कुंज, कमलापति कमल, रामसिया अनपढ़, सतीश शलभ, गणेश विकट हरिहर सुमन सहित साहित्य प्रेमी जन।

कार्यालय, मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व,
शिवाजी नगर, नौढ़िया, जिला-सीधी, 486661, (मध्य प्रदेश)
फोन नम्बर-7822297542
E.mail. fdsajnp.sdh@mp.gov.in, fdsanjay_tr@rediffmail.com , website. www.sanjaytigerreserve.in

क्र./ई-निविदा/2025/ 5008 सीधी दिनांक 04/08/2025

-: ई-निविदा सूचना :-

कार्यालय मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक, संजय टाईगर रिजर्व, सीधी के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में शासकीय फिक्स नॉट फेंसिंग के लिये निम्नांकित सामग्री के लिये वाणिज्यिक कर अधिनियम के तहत् पंजीकृत, प्रतिष्ठित *निर्माताओं तथा अधिकृत विक्रेताओं से संजय टाईगर रिजर्व, सीधी की परिक्षेत्र मड़वास /ब्यौहारी बफर के लिये* आनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.	परिक्षेत्र का नाम	सामग्री का नाम	कार्य स्थल का नाम	फेंसिंग रनिंग मीटर
1	2	3	4	5
1	मड़वास बफर	फिक्स नॉट फेंसिग	ग्राम कुन्दौर से रालवारी	5740
			ग्राम पोंड़ी चितरडोला से मक्टोलिया	1480
			ग्राम तुरकानी से झोगाधार	2420
2	ब्यौहारी बफर		ग्राम भमरहा से वंशवाहनाला	3000
			योग-	12640

इस निविदा के लिये दिनांक 11.08.2025 से आवेदन केवल ऑनलाईन माध्यम से आमंत्रित किये जा रहे हैं। टेण्डर की विस्तृत जानकारी **https://mptenders.gov.in/** के माध्यम से प्राप्त की जा सकेगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 25.08.2025 समय शाम 3.00 तक रहेगी। निविदा खोलने की तिथि 26.08.2025 को दोपहर 3.00 बजे रहेगा। उक्त निविदा वन विभाग की ऑफिशियल वेबसाईट **https://mpforest.gov.in/** पर भी देखी ना सकेगी।

उप संचालक
संजय टाईगर रिजर्व, सीधी

जी-16786/25

संपादकीय

राहुल को नसीहत, हर शख्स के लिए सीख है

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सेना के खिलाफ दिए गए 'आपत्तिजनक' बयान के मामले में कड़ी नसीहत दी है। यह दरअसल सार्वजनिक जीवन में मौजूद हर शख्स के लिए सीख है कि उसे अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए। ऐसे बयान केवल जनता को ही गुमराह नहीं करते, सेना जैसी संस्था के मनोबल पर भी असर डालते हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लिया है, 20 जवानों को मारा गया और अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सैनिकों को पीटा गया। उन्होंने जब यह बयान दिया तब भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव चरम पर था। वैसे भी दोनों देशों के बीच का सीमा विवाद लंबे समय से उलझा हुआ है और दोनों के कूटनीतिक रिश्तों में यही सबसे नाजुक कड़ी है। ऐसे में राहुल गांधी के बयान ने देश के भीतर सीमा के हालात को लेकर संदेह पैदा किया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ही सुप्रीम कोर्ट की तरफ से इतनी सख्त टिप्पणी आई कि एक सच्चा भारतीय ऐसा बयान नहीं देगा। शीर्ष अदालत ने बिल्कुल सही कहा कि राहुल गांधी के पास अपनी बात रखने और सरकार से सवाल पूछने के लिए संसद जैसा मंच है। अगर उन्हें लग रहा था कि सरकार तथ्यों को देश से छिपा रही है, तो वह सदन में यह मुद्दा उठा सकते थे, जिससे ज्यादा दबाव बनता। सोशल मीडिया उचित प्लैटफॉर्म नहीं, जहां राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मसले पर बहस हो। राहुल गांधी की मंशा भले ही सेना का अपमान करने या उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने की न रही हो, लेकिन इससे संदेश यही गया कि वह भारतीय सेना को कमतर आंक रहे हैं। हालिया बरसों में हुए टकरावों में, जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी से लेकर अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर तक, भारतीय सेना ने चीन की हर आक्रामकता का मुंहतोड़ जवाब दिया है। इसमें कुछ नुकसान जरूर हुआ, लेकिन वह संघर्ष की कीमत होती है और चीन को भी उसे चुकाना पड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले पर फिलहाल रोक लगा दी है। शीर्ष अदालत की टिप्पणियों को इस रूप में देखा जाना चाहिए कि राजनीतिक बयानबाजी की भी कुछ मर्यादाएं होती हैं। बात जब सेना और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हो, तो जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। इनका ख्याल रखना केवल सरकार का नहीं, सभी का कर्तव्य है।

साउथ एशिया में सबसे कम टैरिफ पाकिस्तान पर लगा है। अमेरिका ने पहले पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा था। वहीं दुनियाभर में सबसे ज्यादा 41 प्रतिशत टैरिफ सीरिया पर लगाया गया है। इस लिस्ट में चीन का नाम शामिल नहीं है। ट्रंप ने दो अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन सात दिन बाद ही इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। कुछ दिनों बाद ट्रंप ने 31 जुलाई तक का समय दिया था। इसके बाद ट्रंप सरकार ने 90 दिनों में 90 सौदे कराने का टारगेट रखा था। हालांकि, अमेरिका का अब तक सिर्फ सात देशों से समझौता हो पाया।

टैरिफ वार से अमेरिका का ही नुकसान कर रहे हैं ट्रंप

(अशोक मधुप)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। साथ ही रूस से तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने की भी बात कही है। जानकारों का कहना है कि उनके इस कदम से भारत की ग्रोथ पर ज्यादा असर नहीं होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ को सात दिन के लिए टाल दिया है। ये एक अगस्त से लागू होना था, जो अब सात अगस्त से लागू होगा। ट्रंप ने 92 देशों पर नए टैरिफ की लिस्ट जारी की है। इसमें भारत पर 25 प्रतिशत और पाकिस्तान पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। हालांकि, कनाडा पर एक अगस्त से ही 35 प्रतिशत टैरिफ लागू हो गया है।

साउथ एशिया में सबसे कम टैरिफ पाकिस्तान पर लगा है। अमेरिका ने पहले पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत टैरिफ लगा रखा था। वहीं दुनियाभर में सबसे ज्यादा 41 प्रतिशत टैरिफ सीरिया पर लगाया गया है। इस लिस्ट में चीन का नाम शामिल नहीं है। ट्रंप ने दो अप्रैल को दुनियाभर के देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी, लेकिन सात दिन बाद ही इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था। कुछ दिनों बाद ट्रंप ने 31 जुलाई तक का समय दिया था। इसके बाद ट्रंप सरकार ने 90 दिनों में 90 सौदे कराने का टारगेट रखा था। हालांकि, अमेरिका का अब तक सिर्फ सात देशों से समझौता हो पाया।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। साथ ही रूस से तेल खरीदने के लिए अतिरिक्त जुर्माना लगाने की भी बात कही है। जानकारों का कहना है कि उनके इस कदम से भारत की ग्रोथ पर ज्यादा असर नहीं होगा। एसबीआई रिसर्च ने कहा कि भारतीय एक्सपोर्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का असर अमेरिका के लिए भारत से ज्यादा बुरा होगा। अमेरिका को कम जीडीपी, ज्यादा महंगाई और डॉलर के कमजोर होने का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई रिसर्च ने इस टैरिफ को 'बुरा बिजनेस फैसला' बताया।

एसबीआई रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत के मुकाबले अमेरिका की डीजीपी, महंगाई और करंसी के नीचे जाने का ज्यादा रिस्क है। रिपोर्ट के मुताबिक मौजूदा ट्रेड वार के आर्थिक नतीजों को देखें तो यह अचरज की बात नहीं है कि अमेरिका पर भारत के मुकाबले अधिक बुरा असर पड़ेगा। रिसर्च ने बताया कि अमेरिका में फिर से महंगाई का दबाव दिखना शुरू हो गया है।

अनुमान है कि अमेरिका में महंगाई 2026 तक दो प्रतिशत के तय टारगेट से ऊपर ही रहेगी। ऐसा टैरिफ के सप्लाई-साइड इफेक्ट्स और एक्सचेंज रेट में बदलाव की वजह से होगा। एसबीआई रिसर्च ने बताया कि शॉर्ट-टर्म में अमेरिकी टैरिफ की वजह से एक औसत अमेरिकी घर पर करीब 2,400 डॉलर का बोझ पड़ने का अनुमान है। वजह, टैरिफ से बढ़ने वाली महंगाई के कारण कीमतें बढ़ना है।

अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने चेताया है कि गर्मियों के मौसम तक अमेरिका की सभी सहयोगी व्यापार साझेदार देशों से मतभेदों का असर दिखने लगेगा और नियुक्तियों में कमी खतरे की घंटी है। ग्लासडूर के मुख्य अर्थशास्त्री डेनियल झाओ ने कहा कि मंदी आ नहीं रही है बल्कि आ चुकी है।अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार

एजेंडा का असर दिखने लगा है और रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका मंदी की चपेट में आता दिख रहा है। अमेरिकी कंपनियां कर्मचारियों की नियुक्तियां घटा रही हैं। अमेरिकी श्रम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी नियोक्ताओं ने बीते महीने 73 हजार नौकरियां दीं। यह अनुमान के 1,15,000 से काफी कम हैं। मई और जून में 2,58,000 कर्मचारियों की छंटनी हुई और बेरोजगारी दर बढ़कर 4.2त्न हो गई। अमेरिका में बेरोजगारों की संख्या में 2,21,000 की बढ़ोतरी हुई। बीएमओ कैपिटल मार्केट्स के मुख्य अर्थशास्त्री स्कॉट एंडरसन ने कहा, अमेरिकी श्रम बाजार की स्थितियों में उल्लेखनीय गिरावट आ रही है। हम टैरिफ और व्यापार युद्ध शुरू होने और अधिक प्रतिबंधात्मक आव्रजन नीति के बाद से ही अर्थव्यवस्था में मंदी का अनुमान लगा रहे थे। श्रम विभाग की रिपोर्ट श्रम बाजार के लिए एक मुश्किल हालात का सबूत है। अमेरिकी नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में हुई थी। राष्ट्रपति ट्रंप ने कई देशों पर टैरिफ लगा दिए हैं। ट्रंप प्रशासन को उम्मीद है कि टैरिफ से मैन्यफैक्चरिंग सेक्टर अमेरिका में फिर से मजबूत होगा। हालांकि अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैरिफ का असर अमेरिकी जनता पर ही सबसे ज्यादा पड़ेगा।

भारत और अमेरिका के बीच लगभग 130 अरब डॉलर का व्यापार होता है। अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है वहीं, भारत अमेरिका से मात्र 41.8 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। अब अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद, यह सवाल उठ रहा है कि इसका क्या असर होगा। भारत से सबसे अधिक इलेक्ट्रॉनिक और आईटी सेक्टर में बनने वाले उत्पादों को अमेरिका भेजा जाता है। पिछले कुछ समय से भारत में बने स्मार्टफोन्स से लेकर लैपटॉप, सर्वर और टैबलेट्स की डिमांड अमेरिका में बढ़ी थी। ऐसे में सात अगस्त से लागू होने वाले अमेरिकी टैरिफ का सबसे ज्यादा असर इसी सेक्टर पर पड़ने की संभावना है।

भारत के 11 से 13 मई 1998 में सफलतापूर्वक परमाणु परीक्षण किया। इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए। उस समय विशेषज्ञों की ऐसी राय थी कि भारत अलग-थलग पड़ जाएगा और इसकी अर्थव्यवस्था प्रतिबंधों के बोझ तले दब जाएगी। इन प्रतिबंध का भारत सफलतापूर्वक सामना कर अपने को अडिग साबित करने में कामयाब रहा। सात साल बाद अमेरिका ने इसे एक असाधारण मामले के रूप में मानते हुए, भारत को मुख्य धारा में लाने के लिए पहला कदम उठाया, जिसकी परिणति 2005 में भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते के रूप में हुई।

भारत परमाणु परीक्षण के बाद के प्रतिबंधों में नही झुका तो अब तो उसकी हालत बहुत मजबूत है। एक कुशल नेतृत्व उसके पास है। अमेरिका चाहता है कि भारत रूस से तेल न ले। भारत ने स्पष्ट कर दिया कि वह अपने हितों से कोई समझौता नही करेगा। भारत रूस से पहले की तरह तेल लेता रहेगा। इतना ही नही भारत ने अमेरिका की आंख की किरकिरी ईरान से भी तेल खरीदने की घोषणा कर दी है। उधर अमेरिका को इस घटनाक्रम के बाद साफ कर दिया कि वह अमेरिका से एफ?35 लड़ाकू विमान नहीं खरीदेगा।

अमेरिका भारत से लगभग 87 अरब डॉलर के उत्पादों का आयात करता है। भारत ने तय किया है कि अब वह दुनिया के अन्य देशों में बाजार खोजेगा। अमेरिका से होने वाले नुकसान की भरपायी अन्य जगहों से की जाएगी। हाल ही में एक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मादी ने देशवासियों से स्वदेशी अपनाने की अपील ही है। यह घोषणा भी अमेरिकी टैक्स वृद्धि की घोषणा को लेकर की गई लगती है। स्वदेशी अपनाने से हमें देश के बाहर बाजार खोजने की जरूरत नही रहेगा। दूसरे अपने उत्पाद की प्रयोग होंगे तो आयातित सामान पर निर्भरता कम होगी। इतना सब होने के बावजूद हमें अपना कंप्यूटर आपरेटिंग सिस्टम, अपना नेविगेशन सिस्टम और अपने कम्प्यूटर और मोबाइल के सॉफ्टवेयर विकसित करने होंगे ताकि दूसरे देशों के सॉफ्टवेयर और आपरेटिंग सिस्टम पर निर्भरता कम हो। भारत और टैरिफ वार के शिकार देशों को डालर में खरीद?फरोख्त बंद करनी पर होगी। भारत ने रूस और कुछ अन्य देशों के साथ अपनी मुद्रा में खरीदारी शुरू कर दी है। यदि सभी देशों द्वारा डालर का विकल्प खोजकर व्यापार शुरू किया जाता है तो अमेरिका के लिए ये बड़ा झटका होगा।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सेना के खिलाफ बयानबाजी के लिए सुप्रीम कोर्ट से मिली फटकार राहुल के लिए चिंतन का अवसर है

(नीरज कुमार दुबे)

हम आपको याद दिला दें कि राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा (दिसंबर 2022) के दौरान भारतीय सेना को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था। राहुल गांधी ने तवांग में हुई झड़प के बाद विवादित बयान देते हुए कहा था कि चीनी सैनिक भारतीय सैनिकों को पीट रहे हैं।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अक्सर अपनी तीखी राजनीतिक बयानबाजी के कारण विवादों में रहते हैं। भारतीय सेना को लेकर दिए गए उनके बयान विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। ऐसा ही एक विवादित बयान देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को कड़ी फटकार लगाते हुए साफ कहा है कि विपक्ष के नेता के रूप में उन्हें अपनी बातें संसद के पटल पर रखनी चाहिए, सोशल मीडिया या सार्वजनिक मंचों पर नहीं। उच्चतम न्यायालय ने राहुल गांधी को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। उच्चतम न्यायालय ने राहुल गांधी से पूछा है कि उन्हें कैसे पता चला कि 2,000 किलोमीटर जमीन चीन ने कब्जा ली है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आप विपक्ष के नेता हैं, अपनी बात संसद में कहें, सोशल मीडिया पर नहीं।

अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज आपराधिक कार्यवाही पर भी रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता उदय शंकर श्रीवास्तव को नोटिस जारी किया है। उल्लेखनीय है कि उदय शंकर श्रीवास्तव की शिकायत पर ही यह मामला दर्ज हुआ था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि राहुल गांधी ने भारत-चीन सीमा विवाद के संदर्भ में भारतीय सेना के खिलाफ कई 'अपमानजनक बयान' दिए थे। राहुल गांधी ने अपने खिलाफ दर्ज शिकायत और सम्मन आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने दलील दी कि यह शिकायत राजनीतिक द्वेष से प्रेरित है और इसे दुर्भावना से दायर किया गया है।

हम आपको याद दिला दें कि राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा (दिसंबर 2022) के दौरान भारतीय सेना को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था। राहुल गांधी ने तवांग में हुई झड़प के बाद विवादित बयान देते हुए कहा था कि चीनी सैनिक भारतीय सैनिकों को पीट रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि चीन युद्ध की तैयारी कर रहा है और हमारी सरकार सोई हुई है। उस समय राहुल गांधी के बयान पर राजनीतिक हंगामा तो हुआ ही था साथ ही सेना के पूर्व अधिकारियों ने भी नाराजगी जताते हुए कहा था कि भारतीय सेना दुश्मन से मुकाबले को हमेशा तैयार रहती है। सेना के पूर्व अधिकारियों ने राहुल गांधी का ध्यान कांग्रेस शासन के दौरान की कमजोरियों की ओर भी दिलाया था। यही नहीं, अरुणाचल प्रदेश का तवांग, जहां भारत और चीनी सैनिकों के बीच झड़प हुई थी वहां के लोगों ने भी राहुल गांधी के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि हमें भारतीय सेना पर गर्व है और उन पर पूरा भरोसा है।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि सिर्फ तवांग ही नहीं, राहुल गांधी ने गलवान घाटी में भारत-चीन सैनिकों के बीच हुई झड़प को लेकर भी गलतबयानी की थी। उन्होंने उस समय सरकार से पूछा था कि गलवान घाटी कांड के और उसके पहले चीन ने जो हमारी जमीन छीनी है, उसके बारे में प्रधानमंत्री मोदी चुप क्यों हैं? हालांकि राहुल को शायद पता नहीं कि उसके परनाना नेहरुजी के जमाने में हमारी लगभग 38 हजार किमी जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया था और 1962 के युद्ध में भारत को भारी शार्मिंदगी उठानी पड़ी थी। यही नहीं, पांच-छह दशक के शासन-काल में कांग्रेस पार्टी ने उस जमीन की वापसी के लिए कभी कोई ठोस कोशिश ही नहीं की। तवांग घटना के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से जो सात सवाल पूछे थे वह राष्ट्रहित के विरुद्ध तो थे ही साथ ही हमारी सेना का मनोबल गिराने वाले भी थे। राहुल गांधी को यह भी पता होना चाहिए कि साल 2007 में संसद में एक प्रश्न पूछा गया था, तब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने बताया था कि 38 हजार स्क्वायर किलोमीटर की जमीन और कुल 43180 स्क्वायर किलोमीटर जमीन कांग्रेस शासन के दौरान चीन ने कब्जाई है।

देखा जाये तो यह कोई पहला मौका नहीं है जब राहुल गांधी की टिप्पणी पर न्यायपालिका ने सवाल खड़े किए हों। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उनकी 'चौकीदार चोर है' वाली टिप्पणी पर भी सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी। अब तवांग घटना और चीन से जुड़ी सीमा स्थिति पर सेना के शौर्य पर सवाल उठाने वाले उनके बयान ने एक बार फिर राजनीतिक बयानबाजी की सीमाओं पर बहस छेड़ दी है।

जहां तक तवांग में घटे घटनाक्रम की बात है तो इसके बारे में बताया जाता है कि चीनी सेना यानि पीएलए ने एलएसी को पार करने का प्रयास किया था जिसका विरोध किया गया था। हालांकि इस मुद्दे का स्थानीय स्तर पर ही समाधान हो गया था और बुमला में इसको लेकर एक फ्लैग मीटिंग भी हुई थी। इस घटना के बाद एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया था जिसमें भारतीय सेना चीनी सेना को पीटते और खदेड़ते देखी गयी थी। हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हो सकी थी कि वह वीडियो तवांग में हुई झड़प का था या नहीं।

राहुल गांधी को समझना होगा कि भारतीय सेना केवल एक संस्था नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक है। जब कोई प्रमुख नेता सेना के शौर्य या क्षमता पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाता है, तो यह न केवल सैनिकों का मनोबल प्रभावित कर सकता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गलत संदेश जाता है। विपक्ष की भूमिका सरकार से सवाल पूछने की है, लेकिन यह प्रक्रिया तथ्यों और जिम्मेदाराना भाषा पर आधारित होनी चाहिए।

राहुल गांधी को समझना होगा कि सोशल मीडिया और जनसभाओं में दिए गए बयान त्वरित राजनीतिक लाभ दे सकते हैं, लेकिन उनके दीर्घकालिक प्रभाव राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से गंभीर हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से कार्यवाही पर रोक लगाना फिलहाल राहुल गांधी के लिए राहत है, लेकिन अदालत की सख्त टिप्पणी उनके लिए एक स्पष्ट चेतावनी भी है।

राहुल गांधी को यह समझना होगा कि विपक्ष के नेता के रूप में उनके हर शब्द का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असर होता है। व्यक्तिगत या दलगत राजनीति के लिए भारतीय सेना के शौर्य पर सवाल उठाना किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट की फटकार को राहुल गांधी को आत्मचिंतन के अवसर के रूप में लेना चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर संवाद और बहस हो सकती है, लेकिन यह तथ्यों पर आधारित और गरिमापूर्ण होनी चाहिए– यही लोकतंत्र और देशहित की सच्ची कसौटी है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5815

संकेत: बाएं से दाएं
9. ये एक पत्रकार और राजनेता थे, और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से रायबरेली के पूर्व सांसद जिनका जन्मदिन 12 सितंबर 1912 है (5)
6. हुकूमत, शासनकाल, प्रभुत्व (2)
7. धैर्यशील, समदर्शी, सहिष्णु (5)
10. लखनऊ शहर इस नदी के किनारे बसा है, यह उत्तर भारत की एक प्रमुख नदी है (3)
11. प्रकृति, अदिति, निसर्ग (4)
13. पुरुषोत्तम मास, अधिकमास (4)
15. गुनाह, दोष, अपराध, त्रुटि (2)
17. धातु पटल, चांदी का पतला पत्तर (3)
19. परिवार का बुजुर्ग, पूर्वज, वयोवृद्ध (3)
21. किसी दूसरे के माथे या ललाट पर तिलक लगाना (3)
22. इस अभिनेत्री ने पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहसिन खान से विवाह किया था (4)

संकेत: ऊपर से नीचे
9. उर्दू भाषा के प्रसिद्ध रचनाकार जिनका मूल नाम रघुपति सहाय था (8)
2. प्रतिदिन, नित्य, अहोरात्र (2)
3. निर्देशक रिचर्ड एटनबरो की ऐतिहासिक फिल्म जो भारत के महान व्यक्ति के जीवन पर बनी है (1982)(2)
4. फिल्म अभिनेता और टीवी के स्टॉर प्रोड्यूसर रहे (1985–1992)(6)
5. यह द्वीप इंडोनिशिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला द्वीप है (2)
8. किसी वस्तु के निर्माण का खर्च (3)
9. वह बाल जिसके पिता का निधन हो चुका हो (3)
12. संख्या में दस कोटिक (5)
14. प्रेम, प्यार, इश्क, मुहब्बत (अंग्रेजी)(2)
16. सद्गति प्राप्त करवाना (3)
18. आश्रय, शरण, छत्रछाया (3)
20. नमकीन, लवणीय, लावणिक, लोना (3)

वर्ग पहेली 5814 का हल

शि	का	गो		मा	ल	दी	व
व		पी	प	ल		न	र
तां	ता		र	वा	ना		मा
ड	म	रू		ह		म	ला
व		षा	ल	क		क	
		गां	व		द्वा	र	का
पं		शु		दी	प	ध्व	ज
शु	त्र	ली			र	ज	

शिव-पार्वती ने खोला मानव जीवन का सबसे बड़ा रहस्य!

(सुखी भारती)

भगवान शंकर ने कहा, कि जो लोगों का सीस श्रीहरि एवं गुरु के श्रीचरणों में नहीं झुका, उनका सीस ऐसा है, मानों तुमड़ी हो। तुमड़ी एक ऐसा फल होता है, जो दिखने में तो बहुत सुंदर होता है। मन करता है, कि उसे देखते ही मुख में डाल लिआ जाये।

भगवान शंकर माता पार्वती को वह उपदेश दे रहे हैं, जो मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। महापुरुषों ने इस उपदेश को श्रीराम कथा के नाम से जाना है। मानव का वास्तविक उदेश्य यह तो कभी नहीं था, कि इस नश्वर तन से केवल संसार के भोगों को ही भोगा जाये। निश्चित ही यह मानव तन माटी के ढेर में परिवर्तित हो जायेगा। किंतु इससे पहले कि हम माटी की कहानी बने, हमें शरीर रहते-रहते, ईश्वर को जानना है। किंतु मनुष्य का यह दुर्भाग्य है, कि वह अपने सीस को संतों के श्रीचरणों में झुकाने की बजाये, उलटे अकड़ दिखाता है। मानव की यही वृति देखकर भगवान शंकर कहते हैं-

'तेसिर कटु तुंबरि समतूला।
जे नमत हरि गुर पद मूला।।'

भगवान शंकर ने कहा, कि जो लोगों का सीस श्रीहरि एवं गुरु के श्रीचरणों में नहीं झुका, उनका सीस ऐसा है, मानों तुमड़ी हो। तुमड़ी एक ऐसा फल होता है, जो दिखने में तो बहुत सुंदर होता है। मन करता है, कि उसे देखते ही मुख में डाल लिआ जाये। किंतु उसमें गलती से भी अगर किसी ने अपने दाँत गढा लिये, तो उसमें कालकूट विष जैसी कड़वाहट, उसके मानों प्राण ही हर लेगी। उसके बाद वह कितना भी शहद चाट ले, उसका मुख कड़वा ही रहता है। ठीक इसी प्रकार से गुरु और श्रीहरि के पद कमलों में जो सीस नहीं झुका, वह दिखने में भले ही कितना ही सुंदर क्यों न हो, वह तुमड़ी के फल के समान होता है। औरंगजेब ने भले ही अपना राज्य दूर-दूर तक फैला लिआ था। उसके सीस पर सुंदर से सुंदर ताज सजा था। किंतु उसके सीस का मूल्य मात्र इतना था, कि उसको तुमड़ी की संज्ञा ही दी जा सकती थी।

संतों का सदैव से ही यह संदेश रहा है, कि जीवन तो है ही क्षणभँगुर। तो क्यों न इसे ऐसे महान कार्य में लगाया जाये, कि तन माटी होने के पश्चात भी, पूरी दुनिया हमारे मृत-स्थान पर अपना मस्तक टेके। यह केवल तभी संभव है, जब हम भक्ति मार्ग का अनुसरण करें।

आगे भगवान शंकर उच्चारण करते हैं-

'जिन्ह हरिभगति हृदयँ नहिं आनी।
जीवत सव समान तेइ प्रानी।।
जो नहिं करइ राम गुन गाना।
जीह सो दादुर जीह समाना।।'

अर्थात जिस हृदय में ईश्वर की भक्ति का वास नहीं हुआ, वह प्राणी में कहने को तो प्राण हैं। किंतु वास्तव में वह मृत की ही श्रेणी में आता है। वह जीवित मुर्दा है। मुर्दे को जैसे भीतर से कीड़े खाने लग जाते हैं, दुर्गंध आने लगती है, ठीक उसी प्रकार से जिस हृदय में, श्रीहरि की भक्ति का उदय नहीं हुआ, वह जीवित शव के समान है। उसमें सदैव पाँच विकारों की दुर्गंध आती रहती है। यही वह दुर्गंध है, जो रावण में आती थी। सोच कर देखिए, कि इस बू ने रावण को कहीं का नहीं छोड़ा। उसका स्वर्ण का बना लंका रुपी घर, उसकी शौभा का साधन नहीं बन पाया। काम की दुर्गंध कितनी भयंकर मन को पीड़ित करने वाली है, आप रावण के जीवन चरित्र को उठाकर देख सकते हैं।

फिर भगवान शंकर ने संसार में ऐसे लोगों की भी चर्चा की है, जो दिन भर अपनी जीहवा से किसी की निंदा चुगली अथवा व्यर्थ की बातों को किया करते हैं। संसारिक व्यंग्य है, कि उन्हें बिना चुगली के रोटी भी नहीं पचती।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन अच्छा रहने वाला है। कारोबार में आप छोटे-छोटे पार्ट टाइम कार्यों के लिए समय निकाल पाएंगे और आपके महत्वाकांक्षाओं की भी पूर्ति हो सकती है। लेकिन इसके लिए आपको कार्यक्षेत्र में प्रयास करते रहने होंगे। अगर लंबे समय से परेशानियां का सामना कर रहे थे तो अब आपको उनसे छुटकारा मिल सकता है।

वृष

आज कार्यक्षेत्र में कामकाज की स्थिति सामान्य रहेगा। लेकिन आर्थिक मामलों में आपको विशेष ध्यान देना होगा। आपको अनावश्यक चीजों पर खर्च करने से बचना होगा और केवल प्रयोग में आने वाले व जरूरत की चीजों पर धन लगाना बेहतर रहेगा। परिवार में किसी शुभ मांगलिक कार्य का आयोजन करने की चर्चा की जा सकती है।

मिथुन

आज कारोबार और नौकरी के मामले में तेजी से आगे बढ़ने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अचानक उन्नति मिलेगी, जिसे देखकर सभी लोग हैरान रह सकते हैं। अपनी उपलब्धियों से आपको कुछ समय के लिए हैरानी हो सकती है। इस प्रगति को बनाए रखने के लिए आपको ध्यान रखना होगा, अन्यथा आगे चलकर परेशान हो सकती है।

कर्क

आज सामान्य से थोड़ा कम अच्छा रहेगा। ऐसे में कोई भी काम सोच-समझकर करना बेहतर होगा अन्यथा परेशानी हो सकती है। साथ ही, व्यापार और नौकरी से जुड़े निर्णय भी सोच-समझकर लेने बेहतर होंगे। परिवार में आपको अपने भाई-बहन की चिंता ज्यादा रह सकती है।

सिंह

आज कारोबार की चिंता परेशान कर सकती है। इसके पीछे की वजह यह भी हो सकती है कि आप कार्यक्षेत्र में कुछ बाधाओं और समस्याओं का सामना कर रहे हों। अस्थिरता बने रहने के कारण मानसिक तनाव भी बढ़ सकता है। नौकरी करने वालों को स्थिति में परिवर्तन लाने के लिए कड़ी मेहनत करने की जरूरत पड़ेगा। ऐसा करने से आपके काम में सुधार आ सकता है।

कन्या

आज किसी कामकाज के सिलसिले में ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है। लेकिन यह आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी और सकारात्मक परिणाम देने वाली रहेगी। कार्यस्थल पर भी आप अपने कार्यों को पूरे उत्साह के साथ पूरा करेंगे। कुछ समय में आपको अभी के मुकाबले और ज्यादा बेहतर प्रोजेक्ट या कोई डील प्राप्त हो सकती है।

तुला

आज सामाजिक और व्यवसाय के क्षेत्र में आपको विरोधियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आपको सावधान रहने की जरूरत है और किसी भी प्रकार के वाद-विवाद से भी दूरी बनाए रखें। विपरीत स्थिति उत्पन्न होने पर शांत रहना बेहतर रहेगा। किसी बात को लेकर आप अकारण परेशान भी हो सकते हैं।

धनु

आज आपको अचानक से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। लेकिन आपको कार्यक्षेत्र में अपने ऊपर किसी भी प्रकार के तनाव को हावी होने से बचाना होगा। आपके किसी प्रोजेक्ट के सिलसिले में नई योजना बनाने से सफलता प्राप्त हो सकती है। कार्यस्थल पर चल रही पुरानी समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है।

कुंभ

आज सामाजिक और धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेने से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। साथ ही, आपको भाग्य का भी धीरे-धीरे साथ मिलने लगेगा। क्रय-विक्रय के व्यवसाय में भी लाभ मिलने की संभावना बनी हुई है। आपको कारोबार से जुड़े कई शुभ समाचार भी सुनने को मिल सकते हैं।

वृश्चिक

आज आपको अचानक से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। लेकिन आपको कार्यक्षेत्र में अपने ऊपर किसी भी प्रकार के तनाव को हावी होने से बचाना होगा। आपके किसी प्रोजेक्ट के सिलसिले में नई योजना बनाने से सफलता प्राप्त हो सकती है। कार्यस्थल पर चल रही पुरानी समस्याओं से भी छुटकारा मिल सकता है।

मकर

आज नए संपर्क बनाने से आपको अच्छा लाभ प्राप्त हो सकता है। व्यापार में पहले के किए गए प्रयास भी आपको बड़ा फायदा दिला सकते हैं। अगर कहीं आपका पैसा फंसा हुआ था तो वह वापस मिल सकता है। लेकिन इसमें थोड़ी कठिनाई भी जरूर आएगी। व्यवसाय में उन्नति से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मीन

आज कार्यस्थल पर आपको उच्च अधिकारियों के सहयोग और समर्थन से लाभ प्राप्त करने के कई अवसर मिल सकते हैं। आप आयात-निर्यात के व्यवसाय की शुरुआत करने के मामले में भी कोई फैसला ले सकते हैं। कामकाज के सिलसिले में समय का सही उपयोग करना लाभकारी सिद्ध होगा।

संक्षिप्त समाचार

उद्धव और राज ठाकरे मिलकर लड़ेंगे निकाय चुनाव, संजय राउत ने बताया गठबंधन तय

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की एकता पर मुहर लग गई है। उद्धव ठाकरे की शिवसेना के नेता संजय राउत ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि निश्चित तौर पर उद्धव सेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना मिलकर चुनाव लड़ेंगे। संजय राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज की मनसे मिलकर राज्य के स्थानीय निकाय चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि यह एकता निश्चित तौर पर होगी और मिलकर स्थानीय चुनाव लड़ेंगे। ऐसा हुआ तो दशकों बाद ठाकरे परिवार में एकता होगी और वे राजनीतिक तौर पर भी एकजुट होकर लड़ेंगे। चचेरे भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे महीनों की अटकलों के बाद जुलाई में एक साथ आए थे। दोनों ने महाराष्ट्र सरकार की त्रिभाषा नीति और हिंदी भाषा थोपने का विरोध करते हुए एक साझा रैली की थी। इसके अलावा निर्णय वापस लिए जाने के बाद संयुक्त विजय कार्यक्रम भी आयोजित किया। इसी संबंध में मीडिया से बात करते हुए संजय राउत ने एक साथ चुनाव लड़ने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि दोनों परिवार एक साथ बैठेंगे और साथ चुनाव लड़ने पर चर्चा करेंगे। मुंबई निकाय चुनाव और अन्य नगर निकायों के चुनाव आगामी महीनों में होने वाले हैं। राउत ने कहा कि चचेरे भाइयों के बीच सुलह के बाद से उद्धव की शिवसेना और मनसे के कार्यकर्ताओं को विश्वास है कि गठबंधन मुंबई, पुणे, नासिक, छत्रपति संभाजीनगर, ठाणे और कल्याण-डोंबिवली के नगर निकायों में बहुमत हासिल करेगा। राज ठाकरे 2005 में अपने चचेरे भाई के साथ कथित तौर पर मतभेद के चलते शिवसेना से अलग हो गए थे और मनसे का गठन किया था। तब से, चचेरे भाइयों के नेतृत्व वाली दोनों पार्टियां एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ती रही हैं।

मुंबई में क्रिकेट कोच ने छात्रा का यौन उत्पीड़न किया, गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के पूर्वी उपनगर में एक क्रिकेट कोच को 13 वर्षीय छात्रा के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी देवनार थाने के अंतर्गत आने वाले नगर निकाय के मैदान में बच्चों को क्रिकेट खेलना सिखाता है और घाटकोपर निवासी लड़की उसके पास प्रशिक्षण के लिए आती थी। उन्होंने बताया कि 40 वर्षीय आरोपी ने कुछ दिन पहले लड़की का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया और उसने सोमवार को भी यह हरकत दोबारा की। अधिकारी ने बताया कि लड़की ने अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद शिकायत दर्ज कराई गई और घाटकोपर में पंतनगर पुलिस ने शून्य प्राथमिकी दर्ज की, जिसे जांच के लिए देवनार थाने को भेज दिया गया।

स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली विधानसभा के आम जनता के लिए खुलने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए एक विशेष पहल के तहत, दिल्ली विधानसभा को 14 और 15 अगस्त को आम जनता के लिए खोल जा सकता है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुराने सचिवालय परिसर में स्थित ऐतिहासिक विधानसभा भवन में आम लोग जा सकेंगे और विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की संभावना है। दिल्ली पुलिस बैंड भी कार्यक्रम स्थल पर प्रस्तुति देगा। अधिकारियों ने बताया कि आयोजन स्थल पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी तथा तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में 71,000 से अधिक विद्यार्थियों ने स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिल लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय ने मंगलवार को अपने आवंटनों की नवीनतम सूची जारी होने के बाद सूचना जारी की कि अब तक 71,000 से अधिक विद्यार्थियों को स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला मिल चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार उसके 69 कॉलेजों में79 स्नातक पाठ्यक्रमों में कुल 71,130 दाखिले हो चुके हैं। मौजूदा शैक्षणिक सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय में कुल 71,624 स्नातक सीट उपलब्ध हैं।

हिमाचल में सरकारी जमीन से कब्जा होगा खत्म, हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों को तगड़ा झटका लगा है। मंगलवार को हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में हिमाचल प्रदेश लैंड रेवेन्यू एक्ट, 1954 की धारा 163-ए को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया। इस धारा के तहत सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों को नियमित करने का प्रावधान था। अब सरकार को इन कब्जों को हटाने के लिए तेजी से कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है।

हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच, जिसमें जस्टिस विवेक ठाकुर और जस्टिस बिपिन चंदर नेगी शामिल थे, ने साफ कहा, धारा 163-ए पूरी तरह से मनमानी और असंवैधानिक है। इसके साथ ही इस धारा के तहत बनाए गए नियमों को भी रद्द कर दिया गया। कोर्ट ने इस प्रावधान को संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन माना, जो कानून के समक्ष समानता की गारंटी देता है। कोर्ट ने टिप्पणी की, यह प्रावधान बेईमान लोगों के लिए बनाया गया कानून है और अवैधता में समानता का दावा नहीं किया जा सकता। सरकार ने

इसे लेकर अपने जवाब में चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए हैं। हिमाचल में सरकारी जमीनों पर लगभग 57,549 कब्जे हैं, जो करीब 1,23,835 बीघा यानी 10,320 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले हैं। 15 अगस्त 2002 तक कब्जों को नियमित करने के लिए 1,67,339 आवेदन प्राप्त हुए थे। इस विशाल स्तर के अतिक्रमण को देखते हुए कोर्ट ने सरकार को आपराधिक अतिक्रमण से संबंधित कानून में संशोधन करने का सुझाव दिया।

हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि वह धारा 163-ए के तहत आने वाले सभी अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई जल्द से जल्द शुरू करे। इसकी डेडलाइट 28 फरवरी 2026 तय की गई है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अतिक्रमण हटाने के खिलाफ दिए गए सभी स्थगन आदेश स्वतः रद्द माने जाएंगे।

कोर्ट ने सरकार को नगर पंचायत, नगर परिषद और नगर निगम के अधिकारियों, साथ ही संबंधित कार्यकारी अधिकारियों/आयुक्तों पर अतिक्रमण की सूचना देने और उसे हटाने की कार्रवाई शुरू करने की जिम्मेदारी सौंपने का निर्देश दिया। इसके लिए संबंधित कानून और नियमों में उचित संशोधन करने को कहा गया है। हाईकोर्ट ने महाधिवक्ता को इस फैसले की प्रति तुरंत मुख्य सचिव और सभी संबंधित अधिकारियों को भेजने का निर्देश दिया, ताकि त्वरित अनुपालन सुनिश्चित हो। 1983 से अब तक कई सरकारों ने अतिक्रमणों को नियमित करने के लिए अधिसूचनाएं जारी कीं। 4 जुलाई, 1983 की अधिसूचना में 5 बीघा तक के कब्जे को मात्र 50 रुपये प्रति बीघा की नाममात्र फीस पर नियमित करने की अनुमति दी गई थी। साल 2002 में तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के पहले कार्यकाल में धारा 163-ए को पेश किया गया, जिसका उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों की मदद करना बताया गया था।

9 और 10 अगस्त को पूरे राजस्थान में रोडवेज की साधारण बसों में महिलाएं और बालिकाएं फ्री यात्रा करेंगी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की सड़कों पर इस रक्षाबंधन कुछ अलग ही मंजर देखने को मिलेगा। बसें भरेंगी, महिलाएं सफर करेंगी, ड्राइवर-परिचालक अपनी सीटों पर मुस्तैद होंगे... लेकिन टिकट काउंटर पूरी तरह खाली। कोई पूछने वाला नहीं होगा कि टिकट कहां है, कोई जेब से किराया नहीं निकालेगा। क्योंकि 9 और 10 अगस्त को पूरे राजस्थान में रोडवेज की साधारण बसों में महिलाएं और बालिकाएं फ्री यात्रा करेंगी। अनुमान है कि इस अनोखी योजना से करीब 8.5 लाख महिलाएं लाभान्वित होंगी। यह कोई अफवाह नहीं, कोई शरारती मैसेज भी नहीं। खुद राज्य सरकार ने इसकी घोषणा की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम 'मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन - आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान' के मंच से इसका ऐलान किया। सीएम ने कहा - सावन का महीना बहनों के मन में उल्लास भरता है। हर बहन चाहती है कि वो अपने भाई के घर जाए, रक्षाबंधन मनाए। सरकार इस भाव को और मजबूत करने के लिए रोडवेज बसों में महिलाओं को दो दिन मुफ्त यात्रा की सुविधा दे रही है। अब सोचिए - 8.5 लाख महिलाएं, दो दिन, और एक ही व्यवस्था। क्या होगा जब पूरे प्रदेश की महिलाएं बस स्टैंड की तरफ रुख करेंगी? सीट पाने की जद्दोजहद होगी, बसों में भीड़ होगी, लेकिन काउंटर पर न कोई लाइन होगी न किराया। रोडवेज प्रबंधन भी इस भीड़ को लेकर पूरी तरह अलर्ट मोड में है। राजस्थान रोडवेज के प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा के मुताबिक - हर साल की तरह इस बार भी रक्षाबंधन पर महिलाओं को फ्री यात्रा का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया था, जिसे मंजूरी मिल गई है। योजना का अनुमानित वित्तीय भार करीब 14 करोड़ रुपए है, जो राज्य सरकार उठाएगी।ध्यान रखने वाली बात ये है कि ये सुविधा केवल राजस्थान की सीमा में चलने वाली साधारण (नॉन-एसी) बसों में ही लागू होगी। वॉल्वो, एसी और ऑल इंडिया परमिट वाली बसों में फ्री यात्रा का लाभ नहीं मिलेगा। साथ ही महिलाओं और बालिकाओं को यात्रा के दौरान अपना कोई भी पहचान पत्र साथ रखना होगा, ताकि जरूरत पड़ने पर दिखा सकें।

कांग्रेस सांसद की चेन छीनने वाला पकड़ा गया, दिल्ली पुलिस ने सुलझा लिया केस

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कांग्रेस सांसद आर सुधा की चेन छीनकर फरार होने वाले बदमाश को पुलिस ने पकड़ लिया है। दिल्ली पुलिस ने छीनी गई चेन भी बरामद कर ली है। मामले की जांच जारी है। इस मामले में और जानकारी मिल सकती है। बता दें कि आर सुधा ने अपने साथ हुई इस घटना के लिए गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भी लिखा था और आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की थी।

दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस सांसद से हुई चेन स्नैचिंग की घटना का खुलासा करते हुए बताया कि हमने कांग्रेस सांसद आर.सुधा के साथ हुई चेन स्नेचिंग का मामला सुलझा लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और छीनी गई चेन बरामद कर ली गई है। मामले की जांच जारी है और जल्द ही और जानकारी मिलने की उम्मीद है। बता दें कि आर.सुधा तमिलनाडु के मयिलादुथुरई लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं। सोमवार को तमिलनाडु से कांग्रेस सांसद सुधा,तमिलनाडु भवन के पास सुबह की सैर पर थीं,तभी एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति उनकी सोने की चेन छीनकर और उनके कपड़े फाड़कर भाग गया। उन्हें मामूली चोटें भी आई हैं। उन्होंने दिल्ली की कानीन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा था कि जब एक महिला सांसद के साथ ऐसी घटना हो सकती है,तो आमजन कैसे सुरक्षित रहेंगे।

सांसद प्रियंका गांधी ने भी इस घटना पर सवाल उठाते हुए कहा कि जिस जगह पर वह टहल रही थीं,वह दूतावासों के पास का इलाका है और आमतौर पर सुरक्षित माना जाता है,इसलिए यह घटना हैरान करने वाली है। दुर्भाग्य से,जब उन्होंने वहां खड़ी पुलिस की गाड़ी से संपर्क किया,तो उन्होंने ज्यादा प्रतिक्रिया नहीं दी।

दो मुल्कों में तकरार, पर पीएम मोदी की पाकिस्तान वाली बहन राखी के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी।
रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पाकिस्तान में जन्मी मुंहबोली बहन राखियों के साथ तैयार हैं। खबर है कि वह प्रधानमंत्री कार्यालय से न्योता मिलने का इंतजार कर रही हैं। खास बात है कि यह सिलसिला बीते 30 सालों से चला आ रहा है। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की जवाबी कार्रवाई के बाद भारत और पाकिस्तान के रिश्ते तल्ख बने हुए हैं।

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, पीएम मोदी की मुंहबोली बहन कमर मोहसिन शेख ने इस बार दो राखियां तैयार की हैं। इनमें ओम और भगवान गणेश की तस्वीर हैं। फिलहाल, वह पीएमओ से हरी झंडी मिलने का इंतजार कर रही हैं। शेख का जन्म पाकिस्तान के कराची में हुआ था, लेकिन साल 1981 में शादी के बाद वह भारत आ गईं थीं। उन्होंने चैनल को बताया कि वह कभी भी बाजार से राखी नहीं खरीदती हैं, बल्कि हर साल खुद ही तैयार करती हैं। इसके बाद इनमें से एक पीएम मोदी के लिए चुनती हैं।

वह बताती हैं कि भाई-बहन के रिश्ते की शुरुआत पीएम मोदी के ऋस्-यानी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के

प्रचारक के दिनों में हुई थी। शेख ने कहा कि एक बार मोदी ने उनसे पूछा था कि वह कैसी हैं। इस छोटी से मुलाकात से रिश्ता शुरू हुआ और हर साल वह राखी भेजती हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शेख का दावा है कि वह पहली बार पीएम मोदी से साल 1990 में मिली थीं। गुजरात के तत्कालीन राज्यपाल डॉक्टर स्वरूप सिंह ने उनकी मुलाकात कराई थी। उनका दावा है कि एयरपोर्ट पर सिंह ने कहा था कि वह कमर को अपनी बेटी की तरह मानते हैं, तो इस पर मोदी ने जवाब दिया कि वह उन्हें अपनी बहन मानेंगे।

पहले सीएम और फिर पीएम बनने की प्रार्थना: बातचीत के दौरान उन्होंने वो किस्सा भी याद किया जब वह मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के लिए प्रार्थना कर रहीं थीं। जब वह सीएम बने, तो मोदी ने पूछा कि अब क्या दुआ करेंगा, तो इसपर शेख ने जवाब दिया कि वह चाहती हैं कि वह भारत के पीएम बनें।

पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ धरने पर बैठे विधायक रविंद्र सिंह भाटी थाना इंचार्ज पर भड़के

बाड़मेर, एजेंसी।
बाड़मेर जिले के शिव क्षेत्र में खेजड़ी के पेड़ों की कटाई को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। सोलर प्लांट के लिए हो रही पेड़ों की अवैध कटाई के खिलाफ धरने पर बैठे शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी सोमवार को शिव थाना इंचार्ज सत्यप्रकाश पर भड़क गए। उन्होंने एसएचओ से तीखे सवाल किए और यहां तक कह डाला - दादागीरी करोगे क्या? ये ऑफिस मैं बंद कराऊं क्या?

मामला बरियाड़ा गांव का है, जहां खेजड़ी के पेड़ों की कटाई को लेकर ग्रामीणों का विरोध चल रहा है। इसी सिलसिले में 4 अगस्त की दोपहर विधायक भाटी धरना स्थल पर पहुंचे और पुलिस पर सोलर कंपनी को संरक्षण देने

का आरोप लगाया। एसएचओ सत्यप्रकाश से नाराज होकर उन्होंने कहा - हद कर रहे हो आप लोग। खेजड़ी काटने वालों के साथ बैठ रहे हो। किसानों के साथ कोई नहीं है।

एसएचओ ने जवाब में कहा कि कंपनी का ऑफिस बंद कराना उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। इस पर विधायक ने फिर कहा - तो कौन करेगा बंद? मैं कराऊं बंद? कराऊं? एसएचओ बोले - आपका विवेक है, आपकी इच्छा है। इस पर भाटी और ज्यादा नाराज हो गए और बोले - दिमाग खराब कर रखा है, दादागीरी कर रहे हो। बंद करो ये ऑफिस।

विवाद सिर्फ थाना इंचार्ज से ही नहीं, प्रशासन के अन्य अधिकारियों से भी रहा। विधायक भाटी ने शिव के नायब तहसीलदार अनंत गौड़ से भी कड़ी बहस की। उन्होंने सवाल किया कि इतनी बड़ी संख्या में खेजड़ी के पेड़ दफनाए जा रहे थे, तब आपका विभाग क्या कर रहा था? क्या आपको पता है कितने पेड़ कटे हैं? रिपोर्ट 3 दिन में आनी थी, 4 महीने में लाए हो। ग्रामीणों को रिपोर्ट की कॉपी दी क्या? कंपनी से कुछ मिल गया क्या? जब विधायक ने कार्यक्षेत्र से जुड़े सवाल पूछे तो नायब तहसीलदार जवाब नहीं दे सके। विधायक ने साफ कहा - अगली बार तैयारी से आइए।

इससे पहले 3 अगस्त की शाम रामसर डीएसपी मानाराम गर्ग जब धरना स्थल पहुंचे, तब भी विधायक ने कड़े तेवर दिखाए।

भारतीय सेना को पाकिस्तान की किसी हिंसक कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा: सीडीएस जनरल अनिल चौहान

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि भारतीय सेना को पाकिस्तान द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के हिंसक कृत्यों का जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा।

पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से कभी भी बाज नहीं आता है। भारत के खिलाफ कुछ न कुछ पाकिस्तान की सरकारें और वहां की सेना साजिश रचती रहती है। ऐसे में भारतीय सेना के लिए सीडीएस ने कहा कि भारतीय सेना को पाकिस्तान को जवाब देने के लिए हमेशा तैयार रहना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान को काफी जयादा नुकसान हुआ है। लेकिन इसके बावजूद वह कश्मीर में अशांति फैलाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ता है। भारतीय सेना के लिए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि भारतीय सेना को पाकिस्तान द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के हिंसक कृत्यों का जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा। यहां एक कार्यक्रम में को संबोधित करते हुए सीडीएस ने कहा कि पाकिस्तान के पूर्ण-आयामी प्रतिरोध सिद्धांत को चुनौती देने की आवश्यकता है, तथा इस बात पर जोर दिया कि आतंकवादी पाकिस्तान के किसी भी हिस्से में छिप नहीं सकते।

वार्षिक 'ट्राइडेंट' व्याख्यान श्रृंखला के उद्घाटन सत्र में उन्होंने दोहराया कि सैन्य तैयारी अत्यंत उच्च स्तर की होनी चाहिए, चौबीसों घंटे और वर्ष के 365 दिन तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि युद्ध और शांति के बीच बहुत कम अंतर है, तथा कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि वे एक दूसरे में विलीन हो रहे हैं। सीडीएस ने कहा, हमें अपरंपरागत और परमाणु क्षेत्रों के बीच पारंपरिक अभियानों के लिए अधिक स्थान बनाने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि आतंकवादी पाकिस्तान की धरती पर कहीं भी छिप नहीं सकते। जनरल चौहान ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारतीय सेना के पास अत्यधिक दूरी पर स्थित स्थिर और गतिशील दोनों लक्ष्यों को भेदने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, हमें पाकिस्तान द्वारा की जाने वाली किसी भी हिंसात्मक कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार रहना होगा, चाहे वह राज्य के तत्वों द्वारा की जाए या राज्येतर तत्व द्वारा की जाए, और यह पहला मानदंड है।

कौन हैं भाजपा की वह पूर्व प्रवक्ता? जिन्हें हाई कोर्ट जज बनाने की हुई सिफारिश; महाराष्ट्र में सवाल और बवाल

मुंबई, एजेंसी।
सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पिछले महीने की 28 जुलाई को दिल्ली, बंबई, कलकत्ता और कर्नाटक समेत 6 अलग-अलग हाई कोर्ट में न्यायाधीश पद के लिए कई अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति की सिफारिश की। देश के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कॉलेजियम ने तीन अधिवक्ताओं आरती अरुण साठे, अजीत भगवानराव कडेथांकर और सुशील मनोहर घोडेश्वर का नाम बॉम्बे हाई कोर्ट में जज के लिए नामांकित किया है लेकिन आरती अरुण साठे

के नाम पर विवाद उठ खड़ा हुआ है।

महाराष्ट्र में विपक्षी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के विधायक और पार्टी सचिव रोहित पवार ने मंगलवार को साठे के नाम की सिफारिश पर सवाल उठाया है और कहा है कि न्यायपालिका स्वतंत्र और निष्पक्ष होनी चाहिए। उन्होंने एक्स पर एक स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किया जिसमें बताया गया कि साठे सत्तारूढ़ भाजपा से जुड़ी थीं और पार्टी की प्रवक्ता थीं।

कौन हैं आरती अरुण साठे:

बॉम्बे हाई कोर्ट की अधिवक्ता आरती अरुण साठे मुंबई भाजपा विधि प्रकोष्ठ की प्रमुख थीं, उन्हें फरवरी 2023 में महाराष्ट्र भाजपा का प्रवक्ता नियुक्त किया गया था। हालांकि, साठे ने करीब साल भर बाद ही जनवरी 2024 में व्यक्तिगत और व्यावसायिक कारणों का हवाला देते हुए इस पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उन्होंने 6 जनवरी, 2024 को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और मुंबई भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रमुख पद से भी इस्तीफा दे दिया। साठे के पास वकील के रूप में 20 से ज्यादा सालों का कार्य अनुभव है। वह मुख्य रूप से प्रत्यक्ष कर मामलों की विशेषज्ञ हैं। वह टैक्स विवादों, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (एसएटी) और सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (सीईएसटीएटी) के समक्ष मामलों के साथ-साथ बॉम्बे हाई कोर्ट के समक्ष वैवाहिक विवादों की मुख्य पैरवीकार रही हैं। संयोग से, साठे के पिता अरुण साठे भी एक जाने-माने वकील हैं। वे आरएसएस और भाजपा से जुड़े रहे हैं।

पहले उदयनिधि अब कमल हासन सनातन पर बयान से भड़की भाजपा

चेन्नई, एजेंसी। अभिनेता कमल हासन की सनातन धर्म को लेकर की गई टिप्पणियों से विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी ने हासन की फिल्मों का बहिष्कार करने की अपील की है। साथ ही तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की तरफ से 2023 में दिए गए बयान का भी जिक्र किया, जिसमें सनातन धर्म की तुलना डेंगू से की गई थी। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान हासन ने सनातन धर्म को लेकर विवादित बयान दे दिया था। तमिलनाडु भाजपा के पदाधिकारी अमर प्रसाद रेड्डी ने एक वीडियो मैसेज के जरिए कहा, पहले उदयनिधि स्टालिन थे। अब कमल है, जो सनातन धर्म को खत्म करना चाहते हैं। उन्हें सबक सिखाते हैं। उन्होंने कहा, मैं हर हिंदू से अपील करता हूं कि कमल की फिल्में ना देंगे, ओटीटी पर भी नहीं। अगर हम ऐसा करेंगे, तो ये ऐसे गैर जिम्मेदाराना बयान नहीं देंगे, जिससे लाखों हिन्दुओं की दुख होता है। मक्कल निधि मय्यम पार्टी के प्रमुख और राज्यसभा सदस्य हासन ने रविवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि हृश्वश्वञ्ज ने बहुत से बच्चों को चिकित्सा शिक्षा तक पहुंच से वंचित कर दिया है और परीक्षा के इस नियम को बदलने की शक्ति केवल शिक्षा से ही आ सकती है। हासन प्रसिद्ध तमिल अभिनेता सूर्या के अगारम फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। हासन ने कहा कि नीट परीक्षा के खिलाफ इस युद्ध में, अगारम फाउंडेशन भी कुछ नहीं कर सकता और केवल शिक्षा ही बिना किसी अन्य हथियार के राष्ट्र को आकार दे सकती है।

ये 10 भारतीय क्रिकेटर्स कभी भी कर सकते हैं संन्यास का ऐलान, वापसी अब लगभग नामुमकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र हो चुकी है कि एक बार टीम से बाहर हुए खिलाड़ी के लिए वापसी की राह बेहद कठिन हो जाती है. कुछ खिलाड़ी शानदार घरेलू प्रदर्शन से वापसी कर लेते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जिनके लिए टीम इंडिया का दरवाजा लगभग हमेशा के लिए बंद हो जाता है. यहां हम बात कर रहे हैं उन 10 भारतीय क्रिकेटरों की, जिनकी राष्ट्रीय टीम में वापसी अब लगभग असंभव मानी जा रही है.

हनुमा विहारी

हनुमा विहारी ने 2021 के सिडनी टेस्ट में साहसी बल्लेबाजी कर टीम को ड्रॉ दिलाया था, लेकिन इसके बाद से उन्होंने कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है. 2022 के बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है.उनका भारतीय टीम में वापसी करना अब न के बराबर है.

युजवेंद्र चहल

35 साल के हो चुके चहल फिलहाल दो साल से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. उनके स्थान पर युवा स्पिनर्स को प्राथमिकता दी जा रही है. उम्र और हालिया फॉर्म को देखते हुए भारतीय टीम में उनकी वापसी अब मुश्किल लग रही है.

अजिंक्य रहाणे

टीम इंडिया के पूर्व उपकप्तान रह चुके रहाणे को अब घरेलू टूर्नामेंट्स में भी लगातार अनदेखा किया जा रहा है. दिलीप ट्रॉफी जैसी प्रतियोगिताओं में भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, जिससे यह साफ है कि अब उनकी टीम में वापसी की संभावना बेहद कम है.

चेतेश्वर पुजारा

भारत के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अब कमेंट्री करते नजर आ रहे हैं. उनकी क्रिकेट के मैदान से दूरी और उम्र को देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि वो कभी भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर सकते हैं.

विजय शंकर

विजय शंकर 2019 की वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा थे, लेकिन बीच टूर्नामेंट में ही चोट के बाद वो बाहर हो गए थे. उसके बाद शंकर टीम में वापसी नहीं कर सके. विजय शंकर घरेलू स्तर पर भी प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और अब भारतीय टीम में वापस चयन से दूर हो चुके हैं.

जयदेव उनादकट

34 वर्षीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था और 2023 में भारत की ओर से कुछ मुकाबले भी खेले थे, लेकिन बाद में वो टीम से फिर से बाहर हो गए थे. आज के समय में भारतीय टीम में युवा पेसर्स की भरमार के बीच उनकी जगह बनना अब मुश्किल है.

अमित मिश्रा

42 साल के मिश्रा ने भले ही अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा नहीं की है, लेकिन उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2017 में खेला था. भारतीय टीम में उनकी वापसी की संभावना न के बराबर है.

मनीष पांडे

मनीष पांडे 2021 के बाद से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन औसत रहा है, जिससे चयनकर्ता उन्हें टीम में दोबारा मौका नहीं दे रहे.

हर्षल पटेल

हर्षल पटेल आईपीएल में विकेट जरूर लेते हैं, लेकिन उनकी इकोनॉमी रेट हमेशा से चिंता का विषय रहा है. टीम इंडिया में इस समय तेज गेंदबाजों की लंबी कतार है, जिससे टीम में उनकी वापसी मुश्किल दिखती है.

दीपक हुड्डा

10 वनडे और 21 टी20 मैच खेलने के बाद से दीपक हुड्डा 2 साल से टीम से बाहर चल रहे हैं. आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन कुछ खास नही रहा है, जिसके चलते उन्हें दोबारा टीम इंडिया में मौका मिलना मुश्किल लगता है.

एशिया कप 2025 से पहले

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी अग्निपरिक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारतीय टीम की सफलता के बाद जहां मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली थी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब अपने प्रमुख खिलाड़ियों का ध्यान रखना चाहता है। खास बात यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह का एशिया कप से पहले परीक्षण किया जा सकता है।

हाल के दिनों में भारत के लिए सबसे खास श्रृंखलाओं में से एक में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह 5 में से केवल तीन मैचों में ही खेले, लेकिन सिराज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पांचों टेस्ट में हिस्सा लेते हुए 185 से ज़्यादा ओवर फेंके और 23 विकेट लिए। पिछले दो महीनों में इतने ज्यादा कार्यभार को देखते हुए बीसीसीआई अब 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले इन दोनों खिलाड़ियों पर ध्यान दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दोनों तेज गेंदबाज एक महीने के ब्रेक के दौरान पूरी तरह फिट रहें।

उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चयन बैठक से पहले उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा, जो अगस्त के अंत में होनी है। गौरतलब है कि एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा जबकि भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ खेलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को होना है। केवल 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होने हैं, लेकिन इसके बावजूद बीसीसीआई कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि एशिया कप के तुरंत बाद भारतीय टीम 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

कैनेडियन ओपनः

टॉसन ने कीज को हराया, सेमीफाइनल में ओसाका से भिड़ेंगी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। क्लारा टॉसन ने कैनेडियन ओपन में मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज पर 6-1, 6-4 से जीत हासिल कर 2025 के अपने दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टॉसन को पहला सेट जीतने में सिर्फ 27 मिनट लगे। दूसरा सेट टॉसन के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा। इगा स्वियाटेक और मैडिसन कीज पर लगातार जीत के साथ क्लारा टॉसन ने अपने सातवें डब्ल्यूटीए सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। टॉसन का अगला मुकाबला चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका से होगा, जिन्होंने 10वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। ओसाका ने स्वितोलिना को आठ मैचों में पांचवीं बार हराकर अपने करियर में पहली बार कैनेडियन ओपन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कुल मिलाकर, इस जीत के साथ ओसाका छठी बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। मियामी ओपन 2022 के बाद यह उनका पहला सेमीफाइनल है। टॉसन के साथ अपने सेमीफाइनल मुकाबले के बारे में बात करते हुए, ओसाका ने कहा, वह वाकई बहुत मजबूत हैं। मैंने इस साल ऑकलैंड में उनके साथ खेला था और चोटिल होने के कारण मुझे बीच में ही मैच रोकना पड़ा था। इसलिए, मैं बहुत खुश हूं कि मैं स्वस्थ हूं और मुझे उम्मीद है कि देखने आने वाले सभी लोगों के लिए यह एक अच्छा मैच होगा। ओसाका और टॉसन का सेमीफाइनल मुकाबला उनके करियर का दूसरा मुकाबला होगा। टॉसन ने इस साल की शुरुआत में ऑकलैंड में अपना पहला मैच जीता था। उस मैच में, ओसाका को पहला सेट 6-4 से जीतने के बाद रिटायर होना पड़ा था।

Chennai Grand Masters:

एक दिन के लिए स्थगित हुआ चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट, इस कारण लेना पड़ा फैसला

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट को एक दिन के लिए स्थगित किया है और अब इसका आयोजन बुधवार के बजाए गुरुवार को होगा। आयोजकों को यह फैसला इसलिए लेना पड़ा क्योंकि जिस होटल में इसे होना है वहां आग लग गई। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है।

भारतीय ग्रैंडमास्टर और टूर्नामेंट के निदेशक श्रीनाथ नारायण ने एक्स पर लिखा, पिछली रात होटल में आग लग गई जहां चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स होना था। सभी खिलाड़ी सुरक्षित हैं और उन्हें पास के एक अन्य होटल में भेजा गया है। टूर्नामेंट एक दिन के लिए स्थगित किया जाता है। खिलाड़ियों को अंततः होटल वापस लाया गया, लेकिन सुरक्षा जांच के बाद टूर्नामेंट एक दिन बाद शुरू होगा।

समय में नहीं होगा बदलाव

चेसबेस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई के होटल हयात रीजेंसी के नौवें तल्ले पर आग लग गई जिस कारण पूरे होटल में धुआं छा गया और सभी को होटल से बाहर निकाला गया। इस दौरान वहां सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने बताया कि मैच का समय वही रहेगा, लेकिन अब कार्यक्रम से रेस्ट डे हटाया गया है। उन्होंने कहा, समय वही रहेगा और टूर्नामेंट 15 अगस्त को ही समाप्त होगा। बीच में एक दिन का विश्राम था और अब वह कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स की पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपये है। इस प्रतियोगिता में भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी, अनुभवी विदित गुजराती और नीदरलैंड के अनीश गिरी जैसे नामी खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के अवॉन्डर लियांग के खिलाफ करेंगे। पहली बार इसमें मास्टर्स और चैलेंजर्स वर्ग में क्लासिकल राउंड रॉबिन प्रारूप में नौ से अधिक दौर खेले जाएंगे। इससे पहले दो सत्र में सात दौर ही खेले जाते थे। इसमें 19 ग्रैंडमास्टर्स भाग लेंगे और फिडे सर्किट अंक भी मिलेंगे जो 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पाने के लिए अहम होंगे।

Asia Cup 2025: शुभमन गिल, साई सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल एशिया कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में जगह बनानने की दौड़ में शामिल हैं जो 9 सितंबर से शुरू होगा। भारत को सितंबर के अंत हमें वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है, लेकिन इसके बावजूद ये तीनों खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल हैं। एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान अगस्त के तीसरे सप्ताह में किया जा सकता है। हालांकि

गिल और यशस्वी ने व्यस्त शेड्यूल की वजह से पिछले कुछ टी20 सीरीज में भारत के लिए नहीं खेले थे, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद वो एशिया कप के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक टीम इंडिया के सेलेक्टर्स ने विकल्प खुले रखे हैं। एशिया कप का फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा जबकि इसके लगभग एक सप्ताह के अंदर ही वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू हो जाएगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा।

क्या मोहम्मद शमी की टेस्ट क्रिकेट में वापसी अब मुश्किल हो गई है?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट से बाहर चल रहे हैं। भारत और इंग्लैंड सीरीज के बाद क्या उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी होगी। इसे लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। मोहम्मद शमी वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद इंजरी की वजह से एक साल से अधिक समय तक क्रिकेट से दूर रहे। फिट होने के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट में खेला। उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था और इसी वजह से उन्हें टी20 और फिर वनडे फॉर्मेट में जगह दी गई। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उनकी वापसी अभी तक नहीं हो पाई है। न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज, ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज, इंग्लैंड टेस्ट सीरीज तीन ऐसे मौके थे, जब शमी की टेस्ट में वापसी हो सकती थी। लेकिन चाहे फिटनेस का कारण रहा हो या युवाओं को अधिक मौके देना, शमी भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पाए। हाल के मैचों में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने युवा तेज गेंदबाजों को अहमियत दी है। इंग्लैंड दौरे के लिए आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया गया। इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया था कि शमी 100 प्रतिशत फिट नहीं हैं। उनके साथ कुछ समस्याएं हैं। टीम प्रबंधन ने शमी को लेकर जोखिम लेने से मना कर दिया। नतीजन, युवाओं को इंग्लैंड में मौका मिला और उन्होंने इसे भुनाने की पूरी कोशिश की। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार गेंदबाजी की। आकाश दीप ने बर्मिंघम टेस्ट और प्रसिद्ध कृष्णा ने द ओवल टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कृष्णा ने तीन टेस्ट में 14, आकाश दीप ने 3 टेस्ट में 13 विकेट लिए। बुमराह और सिराज टेस्ट में लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सिराज ने 5 मैचों में 23 विकेट लिए, जो सीरीज में सर्वाधिक रहे। वहीं बुमराह ने भी 3 मैच में 14 विकेट लिए।

सवाल ये है जसप्रीत बुमराह, सिराज की मौजूदगी और आकाश दीप और कृष्णा के चमकदार प्रदर्शन के बाद क्या अब भी

शमी की टेस्ट टीम में वापसी संभव है?

शमी की वापसी होगी या नहीं, इसका जवाब तो बीसीसीआई दे सकती है। लेकिन, कुछ चीजें हैं, जो फिलहाल इस तेज गेंदबाज के पक्ष में नहीं दिखती। शमी के साथ इंजरी की समस्या रहती है। वह 3 सितंबर को 35 साल के हो जाएंगे। टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया मैनेजमेंट युवा तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रही है, जो मौका मिलने पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में फिटनेस, उम्र शमी के पक्ष में नहीं है, साथ ही युवा गेंदबाजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा भी है।

बांग्लादेश के बाद अफगानिस्तान ने भी किया संभावित टीम का ऐलान

एशिया कप 2025

अफगानिस्तान की प्रारंभिक टीम

1. रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर)
2. सेदिकुल्लाह अटल
3. वफीउल्लाह तारखिल
4. इब्राहिम जादरान
5. दरविश रसूली
6. मोहम्मद इशाक
7. राशिद खान (कप्तान)
8. मोहम्मद नबी
9. नांग्याल खरोती
10. शराफुद्दीन अशरफ
11. करीम जनत
12. अजमतुल्लाह उमरजई
13. गुलबदीन नैब
14. मुजीब जादरान
15. एएम गजनफर
16. नूर अहमद
17. फजल हक फारूकी
18. नवीन उल हक
19. फरीद मलिक
20. सलीम सफी
21. अब्दुल्ला अहमदजई
22. बशीर अहमद

एशिया कप 2025 के लिए खेला बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2025 के लिए शुरुआती टीम चुन ली है, जिसमें 22 खिलाड़ियों के नाम हैं। साथ ही बोर्ड के अधिकारी ने कहा कि स्टार लेग स्पिनर राशिद खान की खराब फॉर्म को लेकर चिंता नहीं है। टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि जल्द ही वह फॉर्म में वापसी कर लेंगे। एसीबी ने 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आगामी एशिया कप के लिए राशिद की अगुवाई में 22 सदस्यीय प्रारंभिक टीम की घोषणा की है।

राशिद ने इंडियन प्रीमियर लीग के बाद मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के लिए मेजर लीग क्रिकेट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। उनका प्रदर्शन काफी खराब रहा। उन्होंने गुजरात टाइटंस के लिए 9.34 की इकॉनमी रेट और 57.11 की औसत से सिर्फ 9 विकेट लिए थे। एसीबी की चयन समिति के सदस्य मीर मुबारिज ने क्रिकबज से कहा- राशिद खान अफगानिस्तान के सुपरस्टार खिलाड़ी हैं। उन्होंने हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। फॉर्म में होना या खराब होना खेल का हिस्सा है, लेकिन वह अच्छी तरह जानते हैं कि कैसे मजबूती से वापसी करनी है और टीम और देश के लिए बड़े टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करना है। यूएई में अफगानिस्तान करेगा एशिया कप की तैयारी, पाकिस्तान के साथ ट्राई सीरीज

बोर्ड त्रिकोणीय टी20 सीरीज में भाग लेने से पहले दो हफ्ते का तैयारी शिविर आयोजित करेगा, जिसमें यूएई और पाकिस्तान शामिल हैं। इस सीरीज के बाद अफगानिस्तान एशिया कप फोकस करेगा, जिसमें उसके ग्रुप में हॉन्गकॉन्ग, बांग्लादेश और श्रीलंका हैं। मुबारिज ने कहा- हमने त्रिकोणीय सीरीज और एशिया कप से पहले तैयारी शिविर के लिए एक प्रारंभिक टीम की घोषणा कर दी है, जहां नए खिलाड़ियों की जांच कोचिंग स्टाफ और कप्तान दोनों प्रशिक्षण और तैयारी शिविर के दौरान करेंगे।

द हंड्रेड: 45 गेंदों में 0 रन, खेल शुरू होते ही हीरो बने राशिद खान, वॉर्नर-विलियमसन की टीम का काम तमाम

नई दिल्ली, एजेंसी। नए सीजन का आगाज राशिद खान की हीरोपंती के साथ हुआ है. 5 अगस्त को लंदन स्पिरिट और ओवल इन्विंसिबल के बीच मुकाबले के साथ द हण्ड्रेड का आगाज हुआ, जिसमें राशिद खान ने अपने नाम के मुताबिक कमाल किया. बल्लेबाजों को नाच नचा देने वाली राशिद खान की गेंदों का ही नतीजा रहा कि मेंस कैटेगरी में खेला द हण्ड्रेड का पहला मैच लो-स्कोरिंग रहा. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि टीम में वॉर्नर-विलियमसन जैसे बल्लेबाजों के होने के बावजूद लंदन स्प्रिट ने 45 गेंदें बर्बाद की. मतलब, उन पर कोई रन ही नहीं बनाए. अब ऐसे में ओवल इन्विंसिबल को जो टारगेट मिला, वो इतना छोटा रहा कि उसे चेज करना उनके लिए आसान हो गया. पहले बैटिंग

करने उतरी लंदन स्पिरिट का हाल इतना बुरा रहा कि 45 गेंदें तो उसने डॉट खेली हीं, उसके अलावा उससे अपनी इनिंग की पूरी 100 गेंदें भी नहीं खेली गई. लंदन स्प्रिट की पारी सिर्फ 94 गेंदों में ही सिमट गई. इन 94 गेंदों में उसने सिर्फ 80 रन बनाए. लंदन स्प्रिट को डेविड वॉर्नर और केन विलियमसन से उम्मीदें थीं मगर उन दोनों की कहानी 9-9 रन से आगे नहीं बढ़ सकी. लंदन स्पिरिट की इस हाल के जिम्मेदार वैसे तो ओवल इन्विंसिबल के सारे गेंदबाज रहे. मगर राशिद खान और सैम करन की भूमिका इसमें कुछ ज्यादा रही.

द हण्ड्रेड के नए सीजन का खेल शुरू होते ही राशिद खान हीरो बन गए. ओपनिंग मैच में उन्होंने अपने कोटे की 20 गेंदों में जितने रन नहीं दिए, उससे ज्यादा गेंदें डॉट फेंकी. उन्होंने 20 गेंदों में सिर्फ 11 रन देकर 3 विकेट चटकाए. इस दौरान 15 गेंदें उन्होंने डॉट फेंकी.

आनंदमयी सार्थक छात्र जीवन विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन सम्पन्न

रीवा। आज पं. शंभूनाथ शुक्ल सभागार, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा में आनंदमयी सार्थक छात्र जीवन विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री चेतस सुखाड़िया जी (क्षेत्रीय संगठन मंत्री, मध्य क्षेत्र, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर रघुराज किशोर तिवारी जी (वरिष्ठ शिक्षाविद) एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरू प्रो. राजेन्द्र कुमार कुड़रिया जी ने की। कुलसचिव प्रो. सुरेन्द्र सिंह परिहार जी ने स्वागत भाषण दिया एवं संगोष्ठी के संयोजक एवं पर्यावरण जीवविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अतुल कुमार तिवारी मंचासीन रहे। मंच संचालन का कार्य भी डॉ. तिवारी ने ही किया।

विषय प्रवर्तन कृषि महाविद्यालय के प्रोफेसर रघुराज किशोर तिवारी जी ने किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को गुणात्मक दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण माना। उन्होंने कहा कि इस नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से विद्यार्थियों का समग्र विकास होगा। विद्यार्थियों को अपनी रूचि के हिसाब से अध्ययन करने का अवसर इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के तहत संभव हो सकेगा।

मुख्य वक्ता श्री चेतस सुखाड़िया जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज की शिक्षा व्यवस्था को मानव मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पूर्वकाल की गुरुकुल व्यवस्था, स्वावलंबन और संस्कारयुक्त शिक्षा आज भी प्रासंगिक है। वर्तमान में शिक्षक-शिष्य संवाद की कमी, प्रतिस्पर्धा के दबाव एवं मानसिक तनाव ने छात्र जीवन को संकट में डाला है। आत्महत्या की प्रवृत्ति इसी मानसिक बोझ का परिणाम है। उन्होंने समाधान क्लास की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि जीवन को सार्थक एवं आनंदमयी बनाने के लिए वास्तविक गुरुओं की भूमिका महत्वपूर्ण है, ना कि केवल वर्चुअल माध्यमों की।

श्री सुखाड़िया ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर को जीवंत बनाना होगा तथा छात्रों को समाज देने की प्रवृत्ति विकसित करनी होगी। छात्रों का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब व्यक्तित्व निर्माण के लिए सभी सह-पाठ्यक्रमीय गतिविधियाँ भी समान रूप से प्रोत्साहित की जाएं। उन्होंने छात्रशक्ति को राष्ट्रशक्ति में बदलने का आह्वान किया। कुलगुरु प्रो. राजेन्द्र कुमार कुड़रिया जी ने अपने संबोधन में तुलसी वाटिका की स्थापना की योजना पर चर्चा की तथा भारतीय तिथि व हिंदी पंचांग के निर्माण की पहल की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीवन एक सतत् शिक्षण प्रक्रिया है। उनके तीन प्रेरक नारे - समस्या नहीं, समाधान की चर्चा करें। मां एवं मातृभूमि का कोई विकल्प नहीं। जीवन हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है, इसे हम जीकर रहेंगे। उपस्थित छात्र-छात्राओं को नई ऊर्जा एवं दिशा प्रदान की।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में शीघ्र ही वानिकी पर केन्द्रित पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जायेगा। जिससे कि पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की समझ विद्यार्थियों में बढ़ेगी, विद्यार्थियों से संवाद करते हुये कुलगुरू जी ने कहा कि आपके समग्र विकास के लिये हर प्रकार का सहयोग प्रदान किया जायेगा। उन्होंने रामचरितमानस के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से गुरू शिष्य के संबंधों के बारे में प्रकाश डाला।

डॉ. अतुल तिवारी ने समापन में कहा कि वैचारिक भ्रांतियाँ पूरे समाज को दिग्भ्रमित कर देती हैं, इसलिए स्पष्ट चिंतन व विचारधारा ही आनंदमयी एवं सार्थक छात्र जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के छात्र, शोधार्थी, शिक्षकगण एवं प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

सभी अधिकारी निर्धारित रोस्टर के अनुसार निरीक्षण करें : कमिश्नर

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर एवं अन्य अधिकारियों को शासन द्वारा निर्धारित विभागीय रोस्टर के अनुसार कार्यालयों को निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। कमिश्नर ने कहा है कि अधिकारी रोस्टर बनाकर जिला और विकासखण्ड स्तर के कार्यालयों का निरीक्षण करें। राजस्व अधिकारी अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों का निरीक्षण करके प्रकरणों के निराकरण की जानकारी लें। निरीक्षण के बाद प्रतिवेदन तैयार कर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। अधीनस्थ कार्यालयों के रोस्टर निरीक्षण तथा पालन प्रतिवेदन की हर माह समीक्षा की जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि कलेक्टर कार्यालय सिंगरौली का 7 अगस्त और 8 अगस्त को निरीक्षण करके निरीक्षण दल द्वारा प्रस्तुत टीप का सत्यापन किया जाएगा। सिंगरौली जिले के संबंधित अधिकारी अद्यतन जानकारी के साथ कार्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें।

विभिन्न दुकानों से लिये गये खाद्य नमूने

रीवा। कलेक्टर रीवा प्रतिभा पाल के निर्देश पर रक्षा बंधन त्योहार को दृष्टिगत रखते हुए मिष्ठान प्रतिष्ठानों कारखानों एवं रीवा क्षेत्र में बाहर जाने वाले मावे एवं मिल्क केक की जाँच के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा विशेष अभियान आरंभ किया गया है। जाँच के दौरान प्रभू डेयरी एवं स्वीट्स रतहरा बाईपास से मावा दही एवं दूध, पयोर मिल्क डेरी स्वीट्स पडरा से पनीर एवं दही, कृष्णा डेयरी एवं स्वीट्स शांति बिहार कॉलोनी से दूध बिस्किट, शगुन डेरी कुठुलिया से दूध एवं दही, द्विवेदी मिष्ठान भंडार न्यू बस स्टैंड से बर्फी एवं समोसा ,कृपा स्वीट्स पीटीएस चौराहा से मिल्क केक के नमूने जाँच हेतु भेजे गए हैं। सभी प्रतिष्ठानों में निरीक्षण के दौरान स्वच्छता की कमी पाए जाने से संचालकों को स्वच्छता बनाए रखने संबंधी निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार गंगेव स्थित संध्या स्वीट्स में संदेहास्पद मिल्क केक एवं बर्फी पाए जाने पर समस्त मिठाइयों को नष्ट कराया गया।

त्योहार के समय रीवा में मानिकपुर की ओर से रेल एवं प्राइवेट गाड़ियों की सहायता से अमानक मावे की आवक की शिकायत प्राप्त होने पर पकड़ने के प्रयास किए जा रहे है। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई में मानिकपुर उत्तर प्रदेश से रीवा में खपाने के लिए लाया जा रहा तीन क्विंटल संदेहास्पद मावा ज़ब्त किया गया। यह सामग्री मातादीन व्यापारी की है जो मानिकपुर चित्रकूट निवासी है और रीवा में मावा भेजते हैं। मिठाइयों की गुणवत्ता की सामान्य जाँच आम उपभोक्ता घरों पर भी कर सकते हैं। बाज़ार से खरीदे गये मावा में टिंचर आयोडीन डालने पर मावा काला हो जाय तो मावे में स्टार्च अर्थात मैदा आलू अथवा आरारोट इत्यादि की मिलावट हो सकती है।

ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर आरटीओ ने की कार्यवाही, 56 मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित

रेड लाइट जंपिंग, स्टंटबाजी, ओवर स्पीडिंग और नशे में ड्राइविंग करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में गठित जिला सड़क सुरक्षा समिति के निर्देश पर जिले में ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर लगाम कसने के लिए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) द्वारा सख्त कदम उठाया गया है। हाल ही में रीवा शहर सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई व्यापक जांच के दौरान कुल 56 प्रकरण ऐसे पाए गए जिनमें वाहन चालकों ने गंभीर रूप से मोटर वाहन अधिनियम 1988 के प्रावधानों का उल्लंघन किया था। इन मामलों में रेड लाइट जंप करना, ओवर स्पीडिंग, स्टंटबाजी, खतरनाक तरीके से वाहन चलाना, तथा नशे की हालत में ड्राइविंग जैसी गंभीर लापरवाहियाँ प्रमुख थीं। संबंधित थानों और ट्रैफिक अधिकारियों से प्राप्त रिपोर्टों के आधार पर इन सभी 56 मामलों को संज्ञान में लेते हुए क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रीवा द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी 56 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। मोटर यान अधिनियम, 1988 की धाराओं के अंतर्गत यह कार्रवाई कि गई। भविष्य में भी इसी तरह के जांच अभियान जारी रहेंगे। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि सड़क सुरक्षा सर्वोपरि है और ऐसे किसी भी वाहन चालक को बख्शा नहीं जाएगा जो अपनी लापरवाही से खुद की और दूसरों की जान जोखिम में डालते हैं। उन्होंने आम नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि अभियान आगे भी जारी रहेगा और उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कदम उठाए जाएंगे।

समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं पर कार्यवाही करें : कलेक्टर

रीवा

कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अधिकारियों को समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं में लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि सभी अधिकारी 100 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों तथा समाधान ऑनलाइन के आवेदनों पर तत्परता से कार्यवाही करें। निर्धारित एजेण्डा बिन्दुओं में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रथम सूचना रिपोर्ट, बिजली बंद होने तथा वोल्टेज की समस्या, ग्राम पंचायतों में साफ-सफाई, जल निकासी तथा प्रधानमंत्री आवास योजना शामिल हैं।

कलेक्टर ने कहा कि एजेण्डा बिन्दुओं में पीएम किसान सम्मान निधि, जननी सुरक्षा योजना तथा तीन सौ दिवस से अधिक समय से लंबित आवेदन शामिल हैं। संबंधित अधिकारी तत्परता से कार्यवाही करके प्रकरणों का निराकरण करें। जिन योजनाओं में हितग्राहियों को पात्रता के अनुसार राशि का वितरण किया जाना है उनमें तत्काल राशि आवंटित करने की मांग करें। मांग पत्र में सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों का उल्लेख भी करें। जिन योजनाओं में आवंटन प्राप्त हो गया उनमें राशि का भुगतान करके संतुष्टिपूर्वक प्रकरण निराकृत कराएं। सभी जिला अधिकारी 100 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों तथा समाधान ऑनलाइन एजेण्डा बिन्दु के आवेदनों पर स्वयं कार्रवाई करके इनका निराकरण सुनिश्चित करें। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में तथ्यपरक प्रतिवेदन दर्ज करें। आवेदनों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

उप संचालक कृषि ने 13 खाद-बीज विक्रेताओं को दिया नोटिस

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देशों के अनुसार राजस्व अधिकारियों तथा कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा खाद-बीज की बिक्री की लगातार निगरानी की जा रही है। अधिकारियों द्वारा दुकानों के निरीक्षण में मिली अनियमितताओं के प्रतिवेदन के आधार पर उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने 13 खाद-बीज विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस दिया है। इन सभी विक्रेताओं को दुकान का लाइसेंस निलंबित करने तथा एफआईआर दर्ज कराने का नोटिस दिया गया है। निरीक्षण के दौरान एक्सपायर डेट की खाद मिलने, खाद की मात्रा तथा बिक्री के अनुसार भण्डार का मिलान न होने एवं दुकानदार द्वारा खाद और बीज की बिक्री के संबंध में दस्तावेज उपलब्ध न कराने पर नोटिस दिया गया है। नोटिस का सात दिवस में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर एकपक्षीय कार्यवाही की जाएगी। उप संचालक कृषि ने मेसर्स प्रिंस खाद भण्डार बैकुण्ठपुर, एसके ट्रेडर्स सेमरिया, किसान सेवा केन्द्र मनिकवार, गुप्ता खाद भण्डार गुढ़, रोहिणी खाद एवं बीज भण्डार लालगावं, ज्योति गुप्ता खाद-बीज भण्डार लालगांव तथा सीताराम किराना स्टोर गुढ़ को नोटिस दिया है। उप संचालक ने कमलाकर ट्रेडर्स मझगवां विकासखण्ड त्योंथर, पाण्डेय खाद-बीज भण्डार त्योंथर, अनिल खाद भण्डार सेमरिया, दीपक ट्रेडर्स जवा, किसान कृषि सेवा केन्द्र जवा तथा मोहन कृषि बीज भण्डार गुढ़ को नोटिस दिया है।

रीवा संभाग में अब तक 809 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

रीवा। रीवा संभाग में एक जून से अब तक 809.17 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। संभाग में इस अवधि में रीवा जिले में 575.6 मिलीमीटर, सतना में 703.2 मिलीमीटर, मैहर में 714.5 मिलीमीटर, मऊगंज में 1130.6 मिलीमीटर, सीधी में 905 मिलीमीटर तथा सिंगरौली जिले में 825.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में संभाग में 489.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। संभाग में सिंचाई के प्रमुख स्त्रोत बाणसागर बांध में 6 अगस्त को सुबह 8 बजे तक जल स्तर 340.54 मीटर तक पहुंच गया है। गत वर्ष 6 अगस्त तक इसका जल स्तर 336.5 मीटर पर था। बांध में 86 प्रतिशत जल भराव हो गया है।

जिले में अब तक 575 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

रीवा। जिले में एक जून से अब तक 575.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि एक जून से अब तक तहसील हुजूर में 711.9 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में 528 मिलीमीटर, गुढ़ में 829 मिलीमीटर, सिरमौर में 519.6 मिलीमीटर, त्योंथर में 539 मिलीमीटर, सेमरिया में 531 मिलीमीटर, मनगवां में 572 मिलीमीटर तथा जवा में 374 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज गयी। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 276.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गयी थी।

स्वतंत्रता दिवस आयोजन के संबंध में अपर मुख्य सचिव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिये निर्देश

रीवा। अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से 15 अगस्त को मनाये जाने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की आवश्यक तैयारियों के संबंध में निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जी के संदेश का सजीव प्रसारण समारोह में किया जायेगा। सजीव प्रसारण प्रातः 9.25 बजे से आरंभ होगा। उन्होंने प्रसारण के लिए जिलों में समारोह स्थल में एलईडी व अन्य व्यवस्थायें सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि 15 अगस्त से पूर्व सजीव प्रसारण का रिहर्सल कर लिया जाय। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के संदेश में स्थानीय उपलब्धियों को भी शामिल किया जायेगा। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पूर्व वर्षों की भाँति समारोहपूर्वक व्यवस्थित रूप से गरिमामयढंग से मनाया जायेगा। वीडियों कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी में कमिश्नर बीएस जामोद, संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय तथा कलेक्ट्रेट एनआईसी में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान को जन आंदोलन बनायें : उप मुख्यमंत्री

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि हम सबका सौभाग्य है कि हम भारत माता की सेवा कर रहे हैं, और इस सेवा का सबसे बड़ा प्रतीक है हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुरू किए गए हर घर तिरंगा अभियान ने पूरे देश को एक सूत्र में बाँधने का काम किया है। इस वर्ष भी 2 से 15 अगस्त तक हम सब मिलकर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराएं और इस अभियान को जनआंदोलन बनाएँ। तिरंगे के साथ सेल्फी लें अपलोड करें। यह सिर्फ एक भागीदारी नहीं, बल्कि माँ भारती के सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा का संकल्प है। हर घर पर तिरंगा लगाना, राष्ट्र के प्रति हमारी एकजुटता, निष्ठा और प्रेम की अभिव्यक्ति है। इस राष्ट्रीय पर्व पर हम सभी अपने घरों पर तिरंगा लगाएं, दूसरों को भी प्रेरित करें और इस महाअभियान को पूरे प्रदेश और देश में फैलाएं।

सर्पदंश से घबराएं नहीं, एक घंटे के भीतर एंटीवेनम इंजेक्शन लगवाएं : डॉ शुक्ला

रीवा। वर्तमान में बारिश होने के साथ वातावरण में लगातार तापमान अधिक रहता है। साँप तथा अन्य जीव-जंतुओं के छिपने के स्थानों में पानी भर जाने के कारण उनका सतह पर विचरण शुरू हो जाता है। इसलिए बारिश में साँप एवं अन्य जहरीले जंतुओं के काटने की घटनाएं होती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने आमजनता को सर्पदंश से बचाव तथा उपचार की सलाह दी है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से मिलेगी मुफ्त बिजली और होगा पर्यावरण संरक्षण

रीवा। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना लागू की गई है। इस योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली मिलने के साथ पर्यावरण संरक्षण भी होगा। ताप विद्युत केन्द्रों से बिजली उत्पादन के लिए भारी मात्रा में कोयले का दहन किया जाता है जो पर्यावरण के प्रतिकूल है। सोलर पैनल पूरी तरह से निःशुल्क तथा पर्यावरण के अनुकूल है। बिजली का उपयोग करने वाले आवासीय घरों में सोलर पैनल लगवाकर बिजली के बिल में 30 से 70 प्रतिशत तक की कमी ला सकते हैं। इस संबंध में अधीक्षण यंत्री बीके शुक्ला ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत दो किलोवाट तक की क्षमता वाले छत पर सोलर पैनल लगाने के लिए 30 हजार प्रति किलोवाट वित्तीय सहायता दी जाती है। इसी तरह तीन किलोवाट अथवा उससे अधिक क्षमता के सोलर पैनल लगवाने पर 78 हजार का अनुदान दिया जा रहा है। अधीक्षण यंत्री श्री शुक्ल ने बताया कि छत पर सोलर पैनल लगाने से प्रति किलोवाट 1300 यूनिट बिजली का साल भर में उत्पादन होता है।

कलेक्टर मऊगंज ने दो आदतन अपराधियों को दिया जिला बदर का नोटिस

मऊगंज। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मऊगंज संजय कुमार जैन ने दो आदतन अपराधियों को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 5 के तहत कारण बताओ नोटिस दिया है। कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक मऊगंज दिलीप सोनी द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर दो आदतन अपराधियों को 14 अगस्त को जिला दण्डाधिकारी न्यायालय में उपस्थित होने का नोटिस दिया है। कलेक्टर ने आदतन अपराधी अच्छेलाल साहू आयु 25 वर्ष पिता चन्द्रबली साहू निवासी ग्राम घोघम थाना हनुमना को नोटिस दिया है। अच्छेलाल साहू के विरूद्ध विभिन्न थाना क्षेत्रों में मारपीट, चोरी, लोगों को डराने-धमकाने, सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने, शराब के अवैध व्यापार सहित भारतीय दण्ड विधान एवं मध्यप्रदेश आबकारी एक्ट के तहत कुल 15 प्रकरण दर्ज हैं। इसी तरह हिमांशु गुप्ता आयु 29 वर्ष पिता राजकुमार गुप्ता निवासी वार्ड क्रमांक चार अमहा वासुदेव हनुमना को भी नोटिस दिया गया है। हिमांशु गुप्ता पर मारपीट, डराने-धमकाने, गाली-गलौज सहित कुल 11 प्रकरण दर्ज हैं। दोनों आदतन अपराधी को 14 अगस्त को दोपहर एक बजे जिला दण्डाधिकारी न्यायालय में उपस्थित होकर अपने बयान दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

न्याय के लिए भटकता एक परिवार

रीवा जिले में जमीन पर फर्जीवाड़ा, एक साल से परेशान ग्रामीण

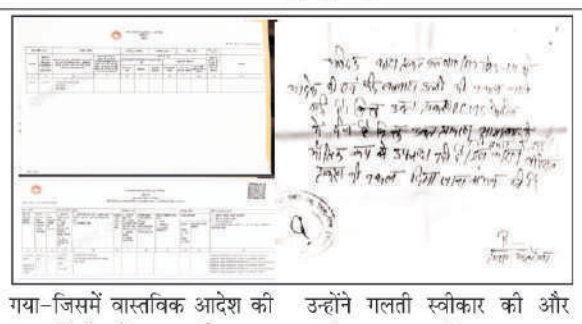

रीवा। रीवा जिले के ग्राम डाँडी (पोस्ट पटेहरा) निवासी प्रजेश कचेर अपने पैतृक भूमि के अधिकार के लिए पिछले एक वर्ष से न्याय की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं। मामला खसरा क्रमांक 203/1 का है, जो वर्ष 1989 से उनके पिता श्री रामबदन कचेर / स्व. सूर्यभान कचेर के नाम दर्ज था।

कैसे हुआ फर्जी नामांतरण

साल 2024 में, आधार से जमीन लिंक कराने के दौरान प्रजेश कचेर को पता चला कि उनकी जमीन किसी और के नाम दर्ज हो चुकी है। जांच में सामने आया कि तत्कालीन पटवारी रामरतन पांडेय ने बिना जमीन मालिक की उपस्थिति और हस्ताक्षर के नामांतरण कर दिया। भू-अभिलेख पोर्टल पर अपलोड आदेश भी संदिग्ध पाया गया-जिसमें वास्तविक आदेश की जगह सिर्फ सफेद पन्ना और नायब तहसीलदार के प्रकरण क्रमांक 110/-27/2023-24, दिनांक 05 जुलाई 2023 का हवाला दिया गया था।

गलती मानकर भी कार्यवाही नहीं

पीड़ित प्रजेश कचेर का कहना है कि जब उन्होंने पूर्व पटवारी रामरतन पांडेय से सवाल किया, तो उन्होंने गलती स्वीकार की और जमीन वापस करने का आश्वासन दिया, लेकिन आज तक न तो जमीन उनके नाम बहाल हुई और न ही दोषी पर कोई कार्रवाई हुई।

सीएम हेल्पलाइन में भी धोखा

पीड़ित ने इस मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कराई। पहले उन पर शिकायत वापस लेने का दबाव बनाया गया, बाद में फर्जी निराकरण डालकर शिकायत जबरन बंद कर दी गई। आदेश की प्रति के लिए जब उन्होंने लोक सेवा केंद्र से आवेदन किया, तो लिखित जवाब मिला कि आरएसएमएस पोर्टल या न्यायालय में इस प्रकरण की कोई फाइल उपलब्ध ही नहीं है।

प्रशासन की चुप्पी सवालों के घेरे में पीड़ित प्रजेश कचेर का सवाल है कि जब आदेश ही फर्जी है, तो अब तक पटवारी पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई..? और उनकी पैतृक जमीन वापस क्यों नहीं की गई...?

पीड़ित ने मांग की है कि दोषी पटवारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई। पैतृक जमीन की तत्काल बहाली कराई जाय। ऐसे भ्रष्टाचार के मामलों को उजागर कर न्याय सुनिश्चित करना चाहिए।

खाद का वितरण जारी

रीवा। जिले में उपलब्ध खाद का किसानों को वितरण किया जा रहा है। उप संचालक कृषि कल्याण यू.पी. बागरी ने बताया कि गतदिवस एस डी एम राजस्व अनुविभागीय कृषि अधिकारी त्योथर मऊगंज एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड गंगेव द्वारा संयुक्त रूप से रामगोपाल गुप्ता मनगवां को 923 बोरी एवं रेखा खाद भंडार मनगवां 93 बोरी खाद उचित दर पर मे कृषको को दी गयी। इसी प्रकार एस डी एम राजस्व एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखंड गंगेव के संयुक्त दल द्वारा रामगोपाल गुप्ता मनगवां द्वारा यूरिया खाद 1020 बोरी, संस्कार खाद बीज भण्डार मनगवां द्वारा यूरिया खाद 24 बोरी,मानसी खाद बीज भण्डार मनगवां यूरिया खाद 100 बोरी, राधे राधे खाद बीज भण्डार चंदेह द्वारा यूरिया खाद 30 बोरी उचित दर पर कृषकों को वितरित की गई।

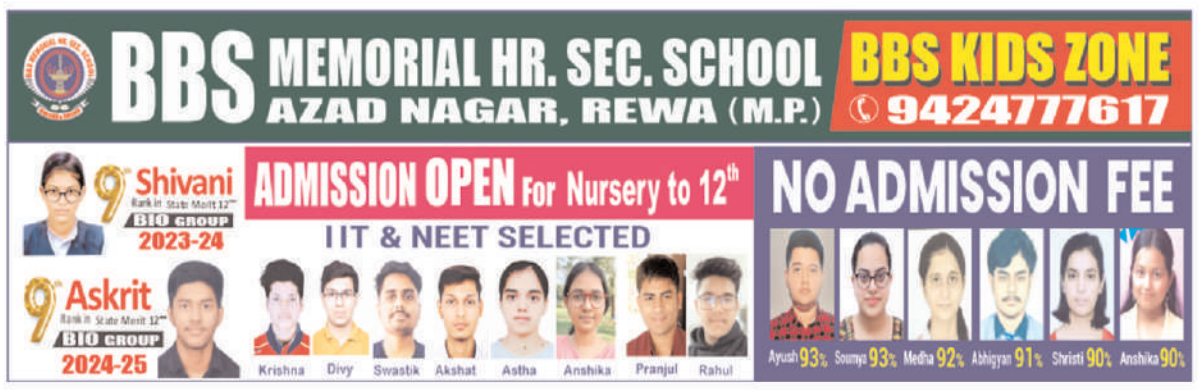

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : **MP/SDL/DN/-30/2015-17,** दूरभाष : 09424315633,7389444833